संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 331 सोमवार 06 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दार्जिलिंग में बारिश से तबाही...20 की मौते

पुल टूटा,घर गिरे,सिक्किम से संपर्क कटा,राष्ट्रपति-पीएम ने जताया दुःख

दार्जिलिंग,05 अक्टूबर 2025 (ए)। पश्चिम बंगाल में तेज बारिश के बाद शनिवार रात दार्जिलिंग में 7 जगह लैंडस्लाइड हो गई। मिरिक-सुखियापोखरी रोड के किनारे ढलान पर पहाड़ी का हिस्सा ढह गया। हादसे में कई घर टूट गए। अब तक 20 लोगों की मौत हुई है। लैंडस्लाइड के बाद रोड पर मलबा आने से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। वाहनों की आवाजाही और आसपास के कई इलाकों में कम्युनिकेशन टूट गया है। उधर मिरिक में एक लोहे का पुल भी टूट गया है। भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर है। तीस्ता बाजार के पास बलुखोला में पानी भर जाने से सिलिगुड़ी को सिक्किम और कालिम्पोंग से जोड़ने वाला हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। दार्जिलिंग शहर का भी कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

अमित शाह ने जताया दुःख

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दार्जिलिंग में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों को वहां तैनात किया गया है और जरूरत पड़ने पर और जवानों को भेजा जाएगा। शाह ने कहा कि उन्होंने दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट से भी बात की और वहां की स्थिति का जायजा लिया। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दार्जिलिंग में भारी बारिश के कारण हुई दुखद जान-माल की हानि से गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और जरूरत पड़ने पर और टीमें भी वहां भेजी जाएंगी।

मिरिक-सुखियापोखरी रोड के पास भूस्खलन

सबसे बड़ा भूस्खलन मिरिक-सुखियापोखरी रोड के पास हुआ, जिसने कई घर बहा दिए और वाहनों की आवाजाही बाधित कर दी। इससे आसपास के कई छोटे गांवों से संपर्क टूट गया। दार्जिलिंग उप-निबंधक रिचर्ड लेप्चा ने कहा कि सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य के फंसे होने की आशंका है। लगातार बारिश के कारण राहत और बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों और स्वयंसेवकों की मदद से राहत अभियान चल रहा है। कई घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

भाजपा सांसद ने घटना पर जताया दुःख

वहीं इस घटना पर भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश के कारण हुए भारी नुकसान के बारे में जानकर मुझे बेहद दुख हुआ है। मौतें हुई हैं, संपत्ति का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। मैं स्थिति का जायजा ले रहा हूं और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हूं।

कार्यकर्ताओं को लोगों की मदद करने का दिया निर्देश : राजू

एक्स पर अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा- हमने अपने भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों की मदद और सहायता के लिए जुटने का निर्देश पहले ही दे दिया है। हम अपने लोगों की मदद और सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मैं अपने सभी गठबंधन सहयोगियों और क्षेत्र के अन्य राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से भी समन्वय स्थापित करने की अपील करता हूं। ताकि हम जरूरतमंद लोगों तक समय पर मदद और सहायता पहुंचा सकें।

पीएम मोदी ने जनहानि पर जताया दुःख

प्रधानमंत्री मोदी ने दार्जिलिंग में पुल ढहने की घटना पर दुःख जताया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यत दुःखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है,उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राष्ट्रपति ने भी हादसे पर जताया दुःख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे पर दुख जताया है। एक्स पर राष्ट्रपति भवन की तरफ से किए पोस्ट में लिखा गया- पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुई दुखद जनहानि अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं बचाव एवं राहत कार्यों की सफलता की प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

बिहार में एसआईआर सफल,अब इसे पूरे देश में कराएंगे,पोलिंग बूथों की 100% वेबकास्टिंग की जाएगी:मुख्य चुनाव आयुक्त

पटना,05 अक्टूबर 2025 (ए)। बिहार में चुनाव की तैयारियों को लेकर चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा, बिहार में एसआईआर पूरी तरह सफल रहा। मतदाता सूची में यह सबसे बड़ी पहल रही। 24 जून 2025 को एसआईआर शुरू हुआ और वक्त पर समाप्त हुआ। सफल एसआईआर के लिए वोटर्स को धन्यवाद। अब इसे पूरे देश में कराएंगे। सीईसी ने बताया, 90 हजार 217 बूथ लेवल ऑफिसर ने बेहतर काम किया। पूरे देश में बनने वाले बूथ लेवल ऑफिसर के लिए बिहार प्रेरणा बना। बूथ सेंटर से 100 मीटर की दूरी पर पोलिंग एजेंट बैठ सकेंगे।

बिहार चुनाव में ईवीएम पर प्रत्याशियों की कलर फोटो लगाई जाएगी। बिहार में वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म भी बिहार में लागू कराया जाएगा। बूथ से 100 मीटर की दूरी से हर प्रत्याशी अपने एजेंट को लगा सकते हैं। पोलिंग बूथों की 100% वेबकास्टिंग की जाएगी।

बिहार के अलावा देश में कहीं भी 1200 से ज्यादा वोटर नहीं : ज्ञानेश कुमार ने कहा, बीएलआ जब मतदाता के पास जाए तो मतदाता उन्हें अच्छे से पहचान पाए, इसके लिए उनके लिए भी आईडी कार्ड शुरू किए गए हैं। अब पोलिंग बूथ के बाहर मोबाइल जमा कर वोट देने की सुविधा की गई है। इससे पहले मोबाइल घर या कहीं और छोड़कर आना होता था। सीईसी ने बताया कि अब बिहार के अलावा देश के किसी भी बूथ पर 1200 से ज्यादा वोटर नहीं होंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव 22 नवंबर से पहले

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग ने ईवीएम संचालन, मतदाता सूची और मतदान प्रक्रिया सहित कई अहम नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। चुनाव 22 नवंबर से पहले आयोजित किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने ईवीएम की सुरक्षा और बैकअप व्यवस्था को और मजबूत किया है, साथ ही मशीनों के सॉफ्टवेयर अपडेट और संचालन में सुधार किया गया है। मतदाता पहचान और सूची की सत्यता सुनिश्चित करने के लिए फोटोग्राफ सहित वैध पहचान पत्र की जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए मतदान समय और बूथ प्रबंधन में भी सुधार किया गया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने हेल्पलाइन और एफआइआर सुविधाओं को बढ़ाया है और अपनी टीमों द्वारा निरीक्षण को और सघन किया है।

बिहार चुनाव में नए-पुराने दोनों वोटर कार्ड से वोटिंग कर सकेंगे मतदाता

नए वोटर कार्ड पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- जिनके वोटर कार्ड के डाटा में कोई परिवर्तन किया गया है,उन्हें 15 दिनों के अंदर ईपिक, यानी वोटर कार्ड मिल जाएगा। जिनके पास पुराने वोटर कार्ड हैं और डाटा में कोई बदलाव नहीं है, वह उसी को सही मानेंगे। मतदान करने के लिए बाकी जिन दस्तावेजों को पहले से मान्य रखा गया था, वह आगे भी कायम रहेंगे। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि अयोग्य वोटरों को हटाने और योग्य वोटरों को शामिल करने के लिए चलाए गए गहन विशेष पुनरीक्षण का परिणाम बहुत स्पष्ट और संतोषजनक रहा है। अब भी कोई अयोग्य जुड़ा हुआ है या योग्य छूटा हुआ है तो उसका नाम हटाने-जोड़ने की प्रक्रिया चलती रहेगी। चुनाव के बाद यह प्रक्रिया अगले आदेश तक के लिए बंद हो जाएगी।

एसआईआर को चुनाव से पहले कराए जाने के सवाल पर सीईसी ने कहा,लोक प्रतिनिधि कानून के हिसाब से रिवीजन हर चुनाव से पहले कराना ही होता है। किसी का ये कहना कि रिवीजन चुनाव के बाद होना चाहिए ये न्याय संगत नहीं है।

पाकिस्तान राज्य-प्रायोजित आतंकवाद बंद नहीं करता,तो उसे यह सोचने पर मजबूर किया जाएगा कि उसे नक्शे में बने रहना है या नहीं : उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025 (ए)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सीमावर्ती ठिकाने पर दिए गए भाषण में कहा कि अगर पाकिस्तान राज्य-प्रायोजित आतंकवाद बंद नहीं करता,तो उसे यह सोचने पर मजबूर किया जाएगा कि उसने नक्शे में बने रहना है या नहीं। उन्होंने कहा कि इस बार भारत वही संयम नहीं बरतेगा जो पहले दिखाया गया था। उनका यह कटु संदेश दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है। इस बयान के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर अबकी बार जंग हुई तो भारत अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। आसिफ ने भारतीय नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वे खोई हुई विश्वसनीयता लौटाने के लिए भड़काऊ बयान दे रहे हैं। पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात जारी किए गए आधिकारिक बयान में भारत की हालिया टिप्पणियों को जंग को बढ़ावा देने की कोशिश बताया और आगाह किया कि यदि शत्रुता का नया दौर शुरू हुआ, तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा और वह बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब देगा। आईएसपीआर ने संभावित द्विपक्षीय संघर्ष को तबाही के रूप में वर्णित किया। ये बयान उस पृष्ठभूमि में आए हैं जब मई में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर विमानों और ठिकानों पर हमले का आरोप लगा चुके हैं। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने कई भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया; वहीं भारत ने कुछ हानियों को स्वीकार किया,पर पाकिस्तान के दावे (छः विमानों के ऊपर) का खंडन किया।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू धारणा

सुरक्षा विश्लेषक इस तेज-तर्रार बयानबाजी को खतरनाक मान रहे हैं,क्योंकि दोनों देश परमाणु सक्षम हैं। कई विशेषज्ञों और समाचार संस्थानों ने उच्च स्तर की कूटनीतिक सक्रियता और संयम बनाए रखने पर जोर दिया है,ताकि किसी सैन्य टकराव की आंच न आए।

नवीनतम विकास

स्थिति अभी तरोताजा और गतिशील है। सरकारें और सैन्य नेतृत्व के बयान पल-पल बदल रहे हैं। दोनों देशों के बीच स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें बनी हुई हैं और कूटनीतिक चैनलों से शांति प्रयास की आशा जताई जा रही है।

अयोध्या में घर में धमाका एक की मौत,2 गंभीर घायल

अयोध्या,05 अक्टूबर 2025 (ए)। अयोध्या में एक घर में जोरदार विस्फोट हो गया। हादसा बीकापुर कोतवाली से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ। यह जगह राममंदिर से करीब 28 किलोमीटर दूर है। इस हादसे में एक घर जमींदोज हो गया। वहीं,मलबे में दबने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं,2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके से आसपास के 3-4 घरों की दीवारों में भी दरारें आई हैं। धमाके की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। फिर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। धमाका कैसे हुआ,यह अभी साफ नहीं हो पाया है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। टीम मौके से सैंपल एकत्र कर रही है। पुलिस टीम भी मौके पर है। जिस घर में विस्फोट हुआ, वह विवेकानंद पांडेय का है। वह नगर पंचायत कर्मी हैं। घायल विवेकानंद की मां उषा देवी ने बताया- हम घर पर नहीं थे। मेरा बेटा घर पर था। बहुत चोट लगी है। उसे अस्पताल लेकर गए हैं। पता नहीं क्या दग गया? कैसे विस्फोट हुआ?

सीमा पार तस्करी मॉड्यूल में शामिल दो तस्कर गिरफ्तार,ढाई किलो हेरोइन और 5 पिस्तौलें बरामद

चंडीगढ़,05 अक्टूबर 2025 (ए)। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार एवं नशा तस्करी मॉड्यूल के दो सदस्यों को 2.5 किलोग्राम हेरोइन और पांच अत्याधुनिक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर इस गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को बताया कि तरनतारन के गांव ढोलण निवासी गुरजंट सिंह और गांव छीना बिधी चंद निवासी गुरवेल सिंह को पकड़ा गया है। इनके पास से बरामद हथियारों में चार 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल (मैगजीन सहित) और एक .30 बोर पिस्तौल (मैगजीन सहित) शामिल हैं। नशीले पदार्थों और हथियारों की खेप के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी महिंद्रा 3एक्सओ कार भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल इन खेपों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था।

महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित किसानों को केंद्रीय मदद दी जाएगी:अमित शाह

मुंबई,05 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहिल्यानगर में महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार की ओर से मदद दिए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के नुकसान की रिपोर्ट तत्काल केंद्र सरकार को भेजें। केंद्रीय गृहमंत्री शाह आज अहिल्यानगर के लोनी में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में किसानों के लिए संकट है।

60 लाख हेक्टेयर में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य को 3132 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनमें से कुछ अप्रैल में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों की मदद के लिए पहल की है। 2200 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कल देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार मुझसे मिले। राज्य में इन तीनों में से कोई भी व्यापारी नहीं है, लेकिन वे व्यापारियों से कम भी नहीं हैं। मुझे कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, लेकिन चर्चा केवल किसानों को मदद प्रदान करने के बारे में थी। मैंने उनसे रिपोर्ट मांगी है। मोदी सरकार किसानों की तुरंत मदद करेगी, इसमें समय बर्बाद नहीं होगा। केंद्रीय गृह शाह आज शिरडी, राहता और कोपरगाँव के दौरे पर थे। उन्होंने सुबह शिरडी साईंबाबा मंदिर जाकर और साईंबाबा की समाधि के दर्शन किया। समाधि के दर्शन के बाद, शाह ने साईंबाबा की पाद पूजा की और शिरडी माजा पंढरपुर की एक छोटी आरती भी की। दर्शन के बाद साईंबाबा संस्थान की ओर से शाह को शॉल और साईंबाबा की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया गया। साईं बाबा के दर्शन के बाद शाह, फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्री सभी मंत्रियों के साथ लोनी के लिए रवाना हुए। प्रवरनगर में विखे पाटिल चीनी कारखाने के विस्तारित कार्य का उद्घाटन और लोनी में पद्मश्री विठ्ठलराव विखे और पद्मभूषण बालासाहेब विखे पाटिल की पूर्ण लंबाई वाली मूर्तियों के अनावरण के बाद लोनी बाजार में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल,जल संसाधन मंत्री और पालक मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल,जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन,राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले,पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आम आदमी पार्टी ने पंजाब से राजिंदर गुप्ता को राज्यसभा कैंडिडेट बनाया

चंडीगढ़,05 अक्टूबर 2025 (ए)। आम आदमी पार्टी ने ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर गुप्ता को पंजाब से राज्यसभा सीट के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इस संबंध में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने इसका लेटर जारी कर दिया है। राजिंदर गुप्ता पंजाब के सबसे अमीर इंडस्ट्रियलिस्ट्स में से एक माने जाते हैं। उनकी कंपनी का करीब 5 हजार करोड़ का टर्नओवर है। गुप्ता को राज्यसभा भेजने की अटकलें शनिवार को ही लगनी शुरू हो गई थी। उन्होंने पंजाब आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष और काली माता मंदिर पटियाला की एडवाइजरी मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसे आम आदमी पार्टी (आम आदमी पार्टी) सरकार ने उनका इस्तीफा मंजूर भी कर लिया। बता दें कि कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के लुधियाना वेस्ट सीट से विधायक चुने जाने के बाद पंजाब में एक राज्यसभा सीट खाली हो गई थी। पहले इस सीट से अरविंद केजरीवाल और फिर मनीष सिसोदिया के राज्यसभा जाने की चर्चा थी। हालांकि किसी बाहरी को पंजाब से राज्यसभा भेजने पर 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाबी नाराज न हो जाएं, इसलिए पार्टी ने यह रिस्क नहीं उठाया। पंजाब में राज्यसभा चुनाव का नोटिफिकेशन कल यानी 6 अक्टूबर को होगा। 13 अक्टूबर नामिनेशन की आखिरी तारीख है। 14 अक्टूबर को स्क्रूटनी के बाद 16 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

पाकिस्तान अविभाजित भारत का हिस्सा,वह हमारे घर का कब्जाया हुआ कमरा, जिसे फिर वापस लेना है:भागवत

सतना,05 अक्टूबर 2025 (ए)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को सतना में कहा...पाकिस्तान अविभाजित भारत का हिस्सा है। वह घर और यह घर अलग नहीं हैं। पूरा भारत एक घर है। बंटवारा ऐसा हुआ, जैसे किसी ने हमारे घर के एक कमरे को हटा दिया हो। हमे कल फिर कब्जा वापस लेना है। संघ प्रमुख ने भाषा विवाद पर कहा- भाषा अनेक है, भाव एक ही होता है। मूल भाषा से ही निकली हैं अनेक भाषाएं। सारी भाषाएं भारत की राष्ट्र भाषा हैं। हर नागरिक को 3 भाषा कम से कम आनी चाहिए। घर, राज्य और राष्ट्र की भाषा तो आनी ही चाहिए। संघ प्रमुख ने सिंधी भाषा के संरक्षण पर कहा- आपको परंपरा से सिंधी भाषा मिली है। उसको हर सिंधी के घर में बोला जाना चाहिए। भारत के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा अच्छी तरह बोलनी और समझनी आनी चाहिए। भारत की सभी भाषाएं राष्ट्र भाषाएं हैं और भाषाई विविधता हमारी एकता का श्रृंगार है।

भागवत ने कहा- बीटीआई ग्राउंड में आयोजित सभा में बोलते हुए भागवत ने कहा कि हम सब एक हैं। सभी सनातनी और हिंदू हैं। एक अंग्रेज आया और टूटा हुआ दर्पण दिखाकर हमें अलग-अलग कर गया। भागवत ने राष्ट्र के स्व को जगाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसकी शुरुआत हर व्यक्ति को अपने घर से करनी होगी। उन्होंने कहा...कम से कम अपने घर की चौखट के अंदर हमारी भाषा, भूषा, भजन, भवन,भ्रमण और भोजन अपनी परंपरा के अनुसार होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने 2 अक्टूबर को कहा था कि पहलगाम हमले में आतंकियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की।

संपादकीय

थलसेना,वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं,भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं...

भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया है...भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है,बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को विश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा। यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं।

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज़ कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ़ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा है- भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और पूरी तरह तैयार रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा। दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की मनोरंजनक कहानियों को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। एफ-16 और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर एस-400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है। देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है,उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है।

आज भारत का आत्मविश्वास केवल हथियारों की नोक पर नहीं, बल्कि नैतिक बल और सामरिक स्पष्टता पर टिका है। आतंकवाद को मिटाने का भारत का अधिकार अब विवाद का विषय नहीं रहा। सवाल सिर्फ यह है कि पाकिस्तान कब तक झूठ और इंकार की आड़ में अपनी नाकामियों को छिपाता रहेगा। इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाया था। सेनाध्यक्ष ने उस परंपरा को याद दिलाकर साफ़ कर दिया है कि आने वाली जंग,अगर पाकिस्तान ने विवेक नहीं दिखाया, तो केवल सेनाओं की नहीं होगी, यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य की जंग होगी। देखा जाये तो आज भारतीय सेना और वायुसेना न केवल तकनीकी आधुनिकीकरण, बल्कि रणनीतिक सोच में भी नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं। ड्रोन से लेकर मिसाइल डिफेंस तक, हर स्तर पर भारत की तैयारी यह बताती है कि दुश्मन की हर चाल का जवाब कहीं अधिक ताकतवर और घातक होगा। पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत बदल चुका है। यह नया भारत संयम और प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। और जब कोई राष्ट्र अपने सैनिकों, तकनीक और नैतिक बल–तीनों में इतना आत्मविश्वासी हो जाए, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है। पाकिस्तान चाहे जितनी कहानियाँ सुनाए, सच्चाई यही है कि भारत अब न केवल तैयार है।

टीवी डिबेट से उपजती अराजकता

डॉ.सुधाकर अशावादी-विनायक फीचर्स

देश में यदि कहीं अराजकता फैलती है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी है,यह गंभीर चिंतन का विषय है। आपसी सद्भाव के बीच विघटन के बीज बोने में किसकी अधिक भूमिका है-किसी व्यक्ति विशेष की, किसी विशेष राजनीतिक दल की, सोशल मीडिया की या ज्वलंत मुद्दों पर टीवी पर नित्य होने वाली डिबेट की,जिसमें संकीर्ण मानसिकता लिए कुछ लोग बैठते हैं और अपने पूर्व निर्धारित विमर्श के अनुसार डिबेट को ही शाब्दिक जंग का मैदान बनाने में नहीं चूकते। कभी कभी बात इतनी बिगड़ जाती है कि तथाकथित विचारकों के मध्य गाली गलौज और हाथापाई की नौबत आ जाती है। डिबेट में दिए जाने वाले तर्क वितर्क को आधार बनाकर देश में अराजकता का वातावरण बनाने के लिए कुछ संकीर्ण मनोवृत्ति धारी सक्रिय भूमिका निभाने में कोई कसर बाक़ी नही छोड़ते। वस्तुस्थिति यह है कि सस्ती लोकप्रियता के लिए संचार माध्यम समाज में किस प्रकार से अराजकता की स्थिति उत्पन्न कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। यूँ तो समाज में बेरोजगारी है तथा लोगों को अपने घर का गुजारा चलाना भारी पड़ रहा है,किन्तु सुनी सुनाई बातों पर लोगों का सड़कों पर उतर आना तथा सोशल मीडिया पर नफरत फैलाना क्या यह सिद्ध नहीं करता,कि अराजक तत्व देश में अराजकता फ़ैलाने के अवसरों की ताक में रहते हैं। इस अराजकता की स्थिति उत्पन्न करने में टेलीविजन पर नित्य होने वाली बहस तथा साक्षात्कार एक बड़ी भूमिका का निर्वहन करते प्रतीत हो रहे हैं। कौन नहीं जानता कि किसी टीवी डिबेट में किसी मौलाना की टिप्पणी का जवाब देने के लिए भाजपा की तेज तर्रार प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने कोई टिप्पणी की। इस टिप्पणी की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक गूंज सुनाई दी। नूपुर शर्मा के विरुद्ध सर तन से जुदा करने का फरमान जारी हुआ तथा नूपुर शर्मा को अज्ञातवास में जाना पड़ा। ऐसे ही किसी टीवी चैनल पर किसी भाजपा प्रवक्ता द्वारा किसी नेता को खुलेआम जान से मारने की बात कही, तब मुँह से निकली बात को पकड़ने में माहिर लोगों ने बड़ा मुद्दा बना लिया। किसी भी व्यक्ति को जान से मारने की धमकी देने को किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता,मगर सवाल यह है कि क्या धमकियाँ देने भर से किसी व्यक्ति को जान का खतरा हो जाता है ? यदि ऐसा है,तो देश में नित्य ही धमकी भरे ई मेल तथा धमकी भरे पत्र प्रभावशाली लोगों को भेजे जाते हैं, तो क्या उन धमकियों को आधार मानकर सड़कों पर अराजकता फ़ैलाने का अधिकार किसी को मिल जाता है ? यदि इन धमकियों पर अधिक गंभीर चिंतन किया जाए,तो पक्ष और विपक्ष के सभी बयानों का विश्लेषण करना आवश्यक हो जाता है। राष्ट्र नायकों के विरुद्ध बोली जाने वाली भाषा के आधार पर धमकियों पर कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकती है, मसलन एक नेता ने प्रधानमन्त्री मोदी के लिए खुलेआम कहा था कि जनता डंडों से पीटकर भगा देगी। प्रधानमन्त्री के विरुद्ध अपशब्दों की बौछार करके जनाक्रोश बढ़ाने वाले वक्तव्य कौन सी श्रेणी में आते हैं ? समय आ गया है, कि जब समाज में अराजकता फ़ैलाने के लिए उकसाने वाले बयानों को गंभीरता से परखा जाए। टीवी डिबेट के नाम पर उकसाने वाले सवालों की भी जाँच हो तथा दोषी तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो।

महिलाओं पर डबल बोझ:शिक्षा विभाग में कपल केस अंक हटाना

नौकरीपेशा महिलाओं के घर और ऑफिस के दबाव में बढ़ता संघर्ष और सरकारी नीतियों का असंतुलित प्रभाव

हरियाणा में शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी में कपल केस अंक हटाने का निर्णय नौकरीपेशा महिलाओं के लिए गंभीर चुनौती है। समाज में महिलाओं से अपेक्षित आदर्श पत्नी और आदर्श बहू की भूमिका उन्हें घर और ऑफिस दोनों में बराबरी का बोझ उठाने पर मजबूर करती है। पुरुष कर्मचारी अक्सर केवल अपनी नौकरी पर ध्यान देते हैं, जबकि महिलाएं घर का खाना बनाना,बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल और ऑफिस–सभी जिम्मेदारियां निभाती हैं। यह नीतिगत बदलाव महिलाओं पर अतिरिक्त दबाव डालता है और सशक्तिकरण के दावे को कमजोर करता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी

समाज में महिलाओं की स्थिति और उनके सशक्तिकरण को लेकर आज भी अनेक चुनौतियाँ हैं। विशेषकर नौकरीपेशा महिलाओं के लिए यह चुनौती और भी गहरी है क्योंकि उन्हें घर और कार्यस्थल–दोनों स्थानों पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना पड़ता है। हरियाणा में हाल ही में शिक्षक स्थानांतरण नीति में किए गए बदलाव–जिनमें कपल केस के अंक हटाने की सिफारिश शामिल है–ने इस मुद्दे को फिर से उजागर कर दिया है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं है, बल्कि महिलाओं के जीवन और उनके पारिवारिक संतुलन पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है।

हरियाणा के शिक्षा विभाग की स्थानांतरण नीति 2016 से विकसित होती रही है। इस नीति के तहत यदि एक ही परिवार में पति और पत्नी दोनों शिक्षक हों, तो उन्हें कपल केस अंक (प्राथमिकता अंक) दिए जाते थे। इसका उद्देश्य था कि दोनों पति-पत्नी एक ही जिले या नज़दीकी स्थान पर पदस्थापित हो सकें,ताकि पारिवारिक संतुलन बना रहे और महिलाओं को नौकरी के साथ परिवार संभालने में सुविधा मिले। इस प्रकार की प्राथमिकता न केवल महिलाओं के लिए लाभकारी थी, बल्कि यह पूरे परिवार के जीवन, बच्चों की पढ़ाई,पारिवारिक जिम्मेदारियों और मानसिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण थी। 2016 के बाद इस नीति में कुछ मामूली बदलाव हुए, लेकिन कपल केस अंक बने रहे। 2023 के ड्राफ्ट स्थानांतरण नीति में अब इन अंक को हटाने की सिफारिश की गई है। इसका अर्थ है कि पति-पत्नी दोनों शिक्षक होने पर अब उन्हें पहले जैसी प्राथमिकता नहीं मिलेगी। इस बदलाव का प्रभाव सीधे महिला शिक्षिकाओं पर पड़ता है। उन्हें अब परिवार और नौकरी के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। पारिवारिक जीवन प्रभावित हो सकता है, क्योंकि पति-पत्नी अलग-अलग स्थानों पर नियुक्त हो सकते हैं। शिक्षक समुदाय में असंतोष और विरोध बढ़ सकता है। शिक्षक संघों और सामाजिक संगठनों ने इसे पारिवारिक और लैंगिक दृष्टिकोण से आलोचना की है। उनका कहना है कि यह निर्णय महिलाओं के हितों के विरुद्ध और परिवार विरोधी कदम है।

डबल बर्डन एक सामाजिक अवधारणा है, जिसका अर्थ है कि महिला को घर और नौकरी–दोनों जगह अपने कर्तव्यों का पालन करना पड़ता है, जबकि पुरुष केवल अपनी नौकरी पर ध्यान देते हैं। यह असमानता आज भी भारतीय समाज में गहराई से मौजूद है। एक उदाहरण देखें। एक नौकरीपेशा पुरुष के लिए घर से भोजन ले जाना सामान्य बात है,और उसके घर के अन्य कामों का बोझ कम होता है। वहीं नौकरीपेशा महिला को घर का खाना बनाना, बच्चों की देखभाल,बुजुर्गों की सहायता,घर की सफाई–सभी जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी नौकरी भी निभानी पड़ती है। इस असमानता के कारण महिला पर मानसिक,शारीरिक और सामाजिक दबाव बढ़ जाता है। जब स्थानांतरण नीति जैसी सरकारी नीतियाँ भी इस असमानता को नजरअंदाज करती हैं,तो यह सशक्तिकरण के दावों को कमजोर कर देती है। महिला सशक्तिकरण केवल नौकरी या योजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका असली अर्थ है कि महिलाओं को समान अवसर, समान वेतन,समान जिम्मेदारी और सुरक्षित वातावरण मिले। हालांकि,जब कपल केस अंक हटाए जाते हैं, तो यह सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से महिलाओं के लिए असमानता को बढ़ाता है। भारतीय समाज में अक्सर महिलाओं से आदर्श पत्नी और आदर्श बहू बनने की अपेक्षा की जाती है। इसका अर्थ है कि घर और परिवार की जिम्मेदारी महिला पर ही डाली जाती है,जबकि पुरुषों को इस दबाव से अपेक्षाकृत कम गुजरना पड़ता है। कपल केस अंक हटने का असर इस असमानता को और बढ़ा देता है। महिला शिक्षिका को नौकरी में सफलता पाने के लिए अपने परिवार के समय और जिम्मेदारियों का नुकसान उठाना पड़ सकता है। पारिवारिक संतुलन बिगड़ता है,और इससे महिला की मानसिक और भावनात्मक स्थिति प्रभावित होती है। यह बदलाव महिलाओं को केवल कर्तव्यपूर्ण भूमिका तक सीमित करने जैसा है, जबकि उन्हें समान अधिकार और अवसर मिलने चाहिए। समाज में सुधार की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। घर के काम को बराबरी से बाँटना चाहिए। पुरुषों को घरेलू कार्यों और बच्चों की देखभाल में बराबरी का योगदान देना चाहिए। सरकारी नीतियों में लैंगिक संवेदनशीलता लाना आवश्यक है। महिलाओं को केवल त्याग और कर्तव्य का बोझ न देना,बल्कि समान अधिकार और दर्जा देना चाहिए। नीतियों में लैंगिक संवेदनशीलता लाना जरूरी है। स्थानांतरण नीतियों में कपल केस जैसी प्राथमिकताओं को बनाए रखना चाहिए और महिला शिक्षिकाओं के लिए पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखना चाहिए।

शिक्षक संघों और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। संघों के माध्यम से सरकारी निर्णयों पर विचार-विमर्श और विरोध किया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों पर लैंगिक असमानता और डबल बर्डन के प्रभाव पर जागरूकता फैलाना आवश्यक है। घर और नौकरी का संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। परिवार में जिम्मेदारियों का बराबर बंटवारा किया जाना चाहिए। पुरुषों को घरेलू कार्यों और बच्चों की देखभाल में बराबरी का योगदान देना चाहिए। आरटीआई और पारदर्शिता के माध्यम से शिक्षा विभाग से जानकारी लेना चाहिए कि कपल केस अंक हटाने का निर्णय क्यों और किस आधार पर लिया गया। इससे नीति बनाने में पारदर्शिता और न्यायसंगत निर्णय सुनिश्चित होंगे। हरियाणा में शिक्षक स्थानांतरण नीति में कपल केस अंक हटाना केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं है,बल्कि यह महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के लिए एक चुनौती भी है। यह बदलाव महिलाओं के ऊपर डबल बर्डन को और बढ़ा देता है। महिला सशक्तिकरण का असली अर्थ केवल नौकरी या योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समान जिम्मेदारी,पारिवारिक संतुलन और सुरक्षित वातावरण भी है। यदि समाज और सरकार सच में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं, तो उन्हें नीतियों में लैंगिक संवेदनशीलता, पारिवारिक जिम्मेदारी का बराबर बंटवारा, और महिला अधिकारों की रक्षा पर ध्यान देना होगा। समान अवसर, समान जिम्मेदारी और पारदर्शिता ही महिलाओं के लिए वास्तविक सशक्तिकरण का आधार है। बिना इसके, किसी भी नीतिगत या आर्थिक पहल का प्रभाव सीमित रहेगा और डबल बर्डन जैसी समस्याएं बनी रहेंगी।

भूखे बच्चों का पेट भरने के लिए मर्दों की भूख मटिा रही हैं गाजापट्टी की महिलाएं

मनोज कुमार अग्रवाल, विनायक फीचर्स

गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध ने न सिर्फ घरों को उजाड़ा है, बल्कि महिलाओं की जिंदगी को एक अंधेरी गली में धकेल दिया है। युद्ध की आग में जलते हुए उस मां का दिल कितना टूटता होगा, जब अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए उसे अपने शरीर को किसी के सामने परोसना पड़े? भूखे बच्चों का पेट भरने के लिए उसे उन मर्दों की भूख मिटानी पड़े, जो उसे दो निवाले देने का वादा करता है। गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध के चलते फिलिस्तीनी महिलाओं के लिए भोजन के बदले शारीरिक संबंध बनाने की मजबूरी बन गई है। ऐसी एक-दो नहीं बल्कि कई महिलाओं ने अपनी आंसू भरी आंखों से ये दास्तां सुनाई कि कैसे भूख और बेबसी ने उन्हें इस दलदल में फंसा दिया। और ऐसा करने वाले कोई बाहरी नहीं बल्कि उनके अपने ही देश के लोग हैं।

इन दिनों गाजा इसी हैवानियत से जूझ रहा है। यह दुनिया का वह हिस्सा है,जो अपनी बर्बादी की कहानी खुद ब खुद अब बयां करने लगा है। पिछले दो सालों से यहां जारी युद्ध ने इसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। यूं तो यहां से कई कहानियां दो सालों से लगातार सामने आ रही हैं लेकिन जो जानकारी अब आई है, उसके बाद तो एक पल को इंसानियत पर से भी भरोसा उठ जाता है। गाजा में भूख,पैसे और पानी से लेकर हर जरूरी चीज का संकट है और इसका फायदा स्थानीय पुरुष और एड वर्कर्स कैसे उठा रहे हैं। इसकी कहानी खुद यहां की महिलाओं ने एक न्यूज एजेंसी के सामने बयान की है। गाजा में इस समय गंभीर मानवाधिकार संकट है। यहां की महिलाओं ने बताया है कि कैसे खाना, पानी,पैसे और यहां तक कि हर बुनियादी चीज का संकट बढ़ता ही जा रहा है। इस संकट के बीच ही यहां पर महिलाओं का यौन शोषण यहां के स्थानीय पुरुष और कुछ एड वर्कर्स कर रहे हैं। इन महिलाओं को दो वक्त की रोटी और पीने के पानी का लालच देकर उन पर यौन संबंधों का दबाव डाला जा रहा है। उन्हें अभद्र मैसेज किए जा रहे हैं,और उन्हें देर रात तक परेशान किया जा रहा है। एक न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार हर महिला ने अपने परिवारों या पुरुषों के डर से और यौन उत्पीड़न को एक टैबू माने जाने की वजह से अपना नाम न बताने की शर्त पर अपनी कहानी बयां की है। इन महिलाओं ने बताया कि कभी-कभी तो पुरुष उनके पास आते और साफ-साफ दो टूक शब्दों में कहते, मैं तुम्हें छूना चाहता हूं, मुझे ऐसा करने दो। कभी-कभी यह सबकुछ शादी के नाम पर होता। उनसे कहा जाता, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूंया चलो कहीं साथ चलते हैं। यह पहली बार नहीं है जब ऐसी खबरें सामने आई हैं। अक्सर संघर्षों के काल में इस तरह की खबरें सामने आती रहती हैं। गाजा से पहले दक्षिण सूडान,बुर्किना फासो,कांगो, चाड और हैती में आपात स्थितियों के दौरान दुर्व्यवहार और शोषण की खबरें सामने आई थीं। विशेषज्ञों की मानें तो जब लोग विस्थापित होते हैं और मदद पर निर्भर होते हैं तो महिलाओं को सबसे विकट स्थिति से गुजरना पड़ता है। ह्यूमन राइट्स वॉच में वीमेन राइट्स डिविजन की एसोसिएट डायरेक्टर हीथर बर्र ने कहा, यह एक खतरनाक सच्चाई है कि मानवीय संकट लोगों को कई तरह से कमजोर बना देते हैं, यौन हिंसा में इजाफा अक्सर इसी का परिणाम होता है। उन्होंने आगे कहा, गाजा में आज की स्थिति अकल्पनीय है खासकर महिलाओं और लड़कियों के लिए। गाजा में महिलाओं के साथ काम करने वाले मनोवैज्ञानिकों ने महिलाओं को विश्वास में लेकर उनका हाल जानने की कोशिश की। उनके संगठन ने ऐसे दर्जनों मामलों का निपटारा किया है,जिनमें पुरुषों ने कमजोर महिलाओं का यौन शोषण किया और यहां तक कि कुछ महिलाएं गर्भवती तक हो गईं। गाजा में स्थानीय संगठनों के लिए काम करने वाले सभी फिलिस्तीनी मनोवैज्ञानिकों ने, महिलाओं की गोपनीयता की चिंताओं और मामलों की संवेदनशील प्रकृति के कारण, नाम न छापने की शर्त पर बात की। गाजा में जहां एक रूढ़िवादी संस्कृति है, किसी भी संदर्भ में एक्स्ट्रा मैरिटल सेक्सुअल रिलेशंस एक गंभीर अपराध माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनका कोई भी मरीज सीधे बात नहीं करना चाहता। अपनी कहानियां शेयर करने वाली पांच महिलाओं ने कहा कि उन्होंने पुरुषों के साथ यौन संबंध नहीं बनाए। मनोवैज्ञानिकों ने कहा कि उनके पास आने वाली कुछ महिलाओं ने पुरुषों की मांगों पर सहमति जताई,जबकि बाकियों ने इनकार कर दिया। मानवाधिकार और राहत संगठनों का कहना है कि उन्हें मदद मुहैया कराने के नाम पर जुड़े यौन दुर्व्यवहार और शोषण की रिपोर्ट्स की जानकारी है। एड वर्कर्स ग्रुप्स का कहना है कि गाजा की परिस्थिति, करीब दो साल के युद्ध, कम से कम 90 फीसदी का विस्थापन, और सहायता तक पहुंच को लेकर उथल-पुथल ने कमजोर लोगों के लिए मानवीय कार्य को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बना दिया है। जैसे-जैसे इस क्षेत्र में भूख और हताशा बढ़ती जा रही है, विशेष रूप से महिलाओं का कहना है कि उन्हें असंभव निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एक महिला ने युद्ध के एक साल बाद, अक्टूबर में शुरू हुई फोन कॉल्स के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उस शख्स के सवाल सीधे-सादे थे। उसने महिला से पूछा था कि उसके पति का क्या हुआ? उनके कितने बचे हैं? लेकिन कुछ ही समय के बाद उसका लहजा बदल गया। अब वह शख्स उससे पूछता कि उसने कौन सा अंडरवियर पहना हुआ था? उसका पति उसे कैसे खुश करता था? उसने बताया कि वह उस व्यक्ति से मुवासी में मिली थी, जो इजरायल की तरफ से घोषित एक मानवीय क्षेत्र है। जिस समय वह मदद पाने के लिए लाइन में खड़ी थी तभी एक एड वर्कर ने उन्हें अपना फोन नंबर दे दिया। वह एक फिलिस्तीनी था जिसने संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी की यूनिफॉर्म पहनी थी। नंबर लेने के कुछ ही देर बाद, देर रात फोन कॉल्स शुरू हो गए। उसने बताया कि वह सेक्सुअल रिलेशंस के लिए उससे सवाल करता था और वह चुप रहती थी। उसने बताया कि एक बार तो उसने सेक्स के लिए उसके पास आने को कहा। उसने मना कर दिया। करीब एक दर्जन कॉल्स के बाद भी कोई मदद न मिलने पर उसने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। महिलाओं ने बताया कि जिन पुरुषों से उनने मदद मांगी थी, उन्होंने खुद को एड वर्कर बताया था। एक मामले में मदद का वादा करने वाले एक समुदाय के नेता के तौर पर। कई महिलाओं ने बताया कि यह सब रजिस्ट्रेशन करते या मदद के लिए रजिस्ट्रेशन की कोशिश करते समय हुआ, पुरुषों ने उनके नंबर लिए, जो अक्सर सहायता प्रक्रिया का एक चरण होता है, और बाद में फोन किया।

कविता

प्रमेशदीप मानिकपुरी
आमाथानी धमतरी छ. ग.

आप सब कैसे हैं?

हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं
हम तो बहुत बदले,क्या आप जैसे के तैसे हैं
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

किसी को चांदी लग गए हैं काले बालों में
किसी की झुर्रि दिख रही नाजुक गालों में
कुछ साथी तो दिखते हैं जैसे कि तैसे हैं
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

कोई बन गया नाना तो कोई बन गई नानी
कुछ आंखे गम में नम कुछ में खुशी की पानी
सावन में बरसे बादल उमड़-2 के जैसे है
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

संघर्ष से तपकर आप सब जीवन में आगे है
कर्मों की खेती से जुड़ते जीवन के धागे है
परिवर्तन के दौर में कुछ तो जैसे के तैसे हैं
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

खरा सोना तपकर ही तो कुंदन बनता है
संघर्षों की कहानी जीवन की सफलता है
यह जीवन सदा लगता वलय के जैसे हैं
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

कल तक जो बेटी थी आज किसी की मां है
कल तक जो बेटे थे आज किसी के पापा है
बीत गया तीस साल,लगता कल के जैसे है
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

एक मंच मिला है फिर से साथ चलने का
अनुभव साझा कर मिलने और जुलने का
यह ग्रुप लगता मुझे हसीन ख्वाब के जैसे है
हमारे बैच के साथी बताओ आप सब कैसे हैं

आतंकी सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए

संजय गोस्वामी

किसी पेपर में दो रोटी के बदले जिस्म का सौदा पढ़ा जो गाज़ा में हालत को लेकर था जहाँ खाने पीने की मानवीय संकट पैदा हो गई है अरब में इजराइल को छोड़ कर सारे तो मुस्लिम देश ही हैं उन्हें मदद करनी चाहिए बगल में मिस्र देश का राफा बॉर्डर है वहाँ उसे इतने गहरे मानवीय संकट में अपना बॉडर खोल देना चाहिए और गाजा में बचे हुए मुस्लिम की आबादी 10-12 तक ही हो सकती है और फिर उससे सटे इराक सीरिया और सऊदी अरब है उसे मदद करनी चाहिए देखिए जब इजराइल पर आतंकी हमले हुए तो गाज़ा के लोगों को इसका विरोध करना चाहिए और हमास जैसी आतंकवादी संघठन को उखाड़ फेकना चाहिए और मिल जुल कर रहना चाहिए लेकिन हमास ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की इजराइल अपने बंधको की चिंता से ज्यादा देश की चिंता करेगा और पुरे गाज़ा को मिट्टी में मिला देगा इजराइल में भी करीब 99 लाख के आस पास है और पुरे मिडिल ईस्ट में कहीं भी किसी को मार देता है गाज़ा के लोगों ने यदि आतंकी सरकार को नहीं चुना होता तो आज ऐ हाल ना होता और मान लीजिये यह हो भी गया तो आस पास के मुस्लिम देशों को मदद करनी चाहिए नेपाल में जब एक आतंकी सरकार नहीं थी विचार में जनता को मतभेद हुआ और उखाड़ कर फेंक दिया और जहाँ आबादी कम होती है वहाँ सरकार को उखाड़ फेकना आसान होता है आतंकवादी ने छुपने के लिए आम घरों स्कूल और यहाँ तक की मस्जिद में अपना ठिकाना बनाया और इसी क्रम में निर्दोष लोग मारे गए वहाँ फिलिस्तीन की बस्ती जरूर है लेकिन शासन हमास जैसे आतंकी संगठन का है और अभी भी इजराइल के सैनिकों को निशाना बना रहा है लेकिन इजराइल ऐ नहीं कहता की हमारे इतने सैनिक मारे गए हैं इजराइल का शुरू से इतिहास रहा है आतंकवादी को चुन चुन कर मारना अतः वहाँ की सरकार को आतंकी ना होकर आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए जब आतंकी घटना होती है तो बदले की भावना भी होती है जिसमें आम नागरिक भी पीस जाते हैं इसलिए भारत में जब ऑपरेशन सिंदूर हुआ तो पाकिस्तान का पानी बन्द हुआ तो इसमें आम जनता भी होगी ऑपरेशन सिंदूर तो दूर की बात है इसलिए,आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों,फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है ऐ देश के प्रति सही शिक्षा हासिल करने से होगी आइये सब मिलकर मानवता हेतु देश प्रेम की शिक्षा प्राप्त करें क्योंकि जब देश बचेगा तभी आम जनता भी सुरक्षित होगी आतंकवाद न तो किसी धर्म,न ही नियम या कानून को जानता है। ये समूह निर्दोष नागरिकों या बड़े पैमाने पर समाज को निशाना बनाकर सरकार पर अपनी माँगें मनवाने और हर जगह आतंक फैलाने का दबाव बनाते हैं। उनके लक्ष्य बहुत स्पष्ट हैं–वे केवल वही स्वीकार करते हैं जो वे पूरा करवाना चाहते हैं। यह मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है। वे दोस्तों, परिवार,बच्चों,महिलाओं या बुजुर्गों को नुकसान पहुँचाने से नहीं हिचकिचाते। उनकी रणनीतियों में भीड़ पर बम गिराना,लोगों पर गोलीबारी करना,विमानों का अपहरण करना और अन्य आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना शामिल है।

अतः ऐ किसी भी देश के लिए खतरा है और जब 7 अक्टूबर 23, को हमास ने इजराइल पर आतंकी हमले किये और 300 से अधिक निर्दोष लोगों को बेहरहमी से मार डाला और 230 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया और गाज़ा का सुरंग नेटवर्क इतना तगड़ा है कि आज तक वहाँ से इजराइल के सैनिकों पर हमला हो रहा है और आज तक बंधको का पता नहीं चला मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि इजराइल ने इस युद्ध में हजारों लोगों को मारकर सही किया लेकिन जब युद्ध होता है तो सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को ही भुगतना पड़ता है इसलिए वहाँ के शासक हमास को ऐ सोचना चाहिए की हमारे आतंकी घटना से बदले में इजराइल अटैक करेगा और आम नागरिक मारे जायेंगेदूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी ने ब्रिटिश का साथ देने पर अपने यहाँ 60 लाख यहूदी को गैस चेम्बर में मार डाला और दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका ने तो 1945 में जापान में दो परमाणु बम गिराकर लाखों लोग को मौत के नींद सुला दिया जिसमें सभी निर्दोष नागरिक थे आज वहाँ के लोगों की बुरी परिस्थिति के लिए है। हमास जिम्मेदार है वहाँ की जनता को इसका विरोध करना चाहिए और उस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए तभी दूसरा देश उस पर कभी हमला नहीं करता है क्योंकि आज के युग में युद्ध से सभी बचना चाहते हैं आज सभी जगह फिलिस्तीन जिन्दा बाद के नारे लगाते हैं लेकिन यहाँ लगाकर क्या होगा वहाँ जाकर लोगों को मदद करनी चाहिए।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

राज्यपाल रमेन डेका ने पहाड़ी कोरवा समुदाय से किया संवाद

योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की ली जानकारी

-संवाददाता-
बलरामपुर,05 अक्टूबर 2025
2025 (घटती-घटना)।

एक साधारण से पहाड़ी कोरवा ग्राम घटगांव में आज का दिन असाधारण बन गया,जब छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका वहां पहुंचे। ग्राम घटगांव में राज्यपाल का आगमन ग्रामीणों के लिए गर्व और उत्साह का अवसर बन गया। ग्रामीणों ने पारंपरिक परिधान पहनकर कर्मा नृत्य के माध्यम से उनका आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल श्री डेका ने विकासखंड राजपुर के इस पहाड़ी कोरवा ग्राम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा स्थानीय उत्पादों बांस से बने हस्तशिल्प,वन औषधियाँ और स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार सामग्रियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत संचालित आजीविका गतिविधियों,कृषि कार्यों तथा योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान कार्ड, ऋण पुस्तिका,टीबी मरीजों को पोषण किट तथा महिला स्व-सहायता समूहों को स्वीकृत ऋण के चेक प्रदान किया। राज्यपाल श्री डेका ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा केन्द्र एवं राज्य शासन पीएम जनमन योजना अंतर्गत पहाड़ी कोरवा परिवारों को लाभान्वित कर रहा है। राज्यपाल श्री डेका ने पहाड़ी कोरवा परिवारों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं,आवश्यकताओं और शासन की योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और सुझाव सीधे राज्यपाल के समक्ष रखे। इस दौरान पीएम जनमन आवास योजना के लाभार्थियों ने अपने आवास के लिए आभार भी व्यक्त किया। समूह की दीदियों ने भी साझा किया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद कैसे आजीविका संवर्धन कर आय के स्रोत बढ़ा रही हैं और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। इस दौरान राज्यपाल श्री डेका ने समूह की दीदियों को सुझाव दिया कि अपने साथ और अधिक लोगों को स्व-सहायता समूह में जोड़ें और आजीविका के अवसर बढ़ाएं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ 25 वर्षों की विकास यात्रा में एक उभरते हुए राज्य के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य खनिज संपदा से समृद्ध है और यहाँ के लोग मेहनती,सेवा-भावी हैं। उन्होंने कहा कि पहाड़ी कोरवा परिवारों की मेहनत और सादगी प्रदेश की पहचान है। उन्होंने बांस उत्पादन और उसके वैल्यू एडिशन को आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बताया तथा पहाड़ी कोरवाओं को बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि आप सभी पीव्हीटीजी परिवार नशे से दूर रहें,शिक्षा और आजीविका पर ध्यान देने से जीवन में स्थिरता आएगी। कार्यक्रम में उपस्थित सरगुजा सांसद श्री

चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से सड़क,आधार कार्ड, बैंक खाता,जाति प्रमाणपत्र जैसी मूलभूत सुविधाएँ अब पहाड़ी कोरवा परिवारों तक पहुँच रही हैं। उन्होंने बताया कि अब ये परिवार मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं और शिक्षा,आजीविका तथा नेतृत्व में नई भूमिका निभा रहे हैं। ग्राम घटगांव के सरपंच श्री बहाल राम स्वयं पहाड़ी कोरवा समाज से हैं और जनप्रतिनिधित्व का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। सांसद ने बताया कि जिले की 150 पहाड़ी कोरवा दीदीयां लखपति दीदी बन चुकी हैं, जो स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने राज्यपाल को अवगत कराते हुए बताया कि विकासखंड राजपुर का घटगांव ग्राम एक पहाड़ी कोरवा बाहुल्य ग्राम है, जहाँ कुल जनसंख्या 1,998 है,जिनमें से 300 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत हैं। पूरे जिले में 5,070 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत हैं, जिनकी कुल जनसंख्या 19,744 है। विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने हेतु शासन की मंशानुरूप तीव्र गति से विकास कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि ग्राम घटगांव के 171 पहाड़ी कोरवा परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के माध्यम से घटगांव की पाँच बसाहटों सहित जिले के सभी 5,070 परिवारों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जिले में

हितग्राहीमूलक सामग्री का किया वितरण

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कार्यक्रम के अंत में पहाड़ी कोरवा परिवारों को विभागीय योजना अंतर्गत सामग्री का वितरण किया। जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 02 महिला स्व-सहायता समूहों को चेक,05 हितग्राहियों को स्वच्छता किट,01 हितग्राही को व्यक्तिगत शौचालय की स्वीकृति, 03 हितग्राहियों को बकरी शेड निर्माण की स्वीकृति राजस्व विभाग के अंतर्गत 03 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 02 हितग्राहियों को वय वंदन कार्ड, 03 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड,01 हितग्राही को पोषण आहार किट, श्रम विभाग के अंतर्गत 01 हितग्राही को नोनी सषक्तिकरण योजना के अंतर्गत चेक, 04 हितग्राहियों को श्रम पंजीयन कार्ड, कृषि विभाग के अंतर्गत 04 हितग्राहियों को सरसों बीज तथा उद्यान विभाग के अंतर्गत 03 हितग्राहियों को टमाटर के पौधे का वितरण किया गया।

375 किलोमीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति दी गई है तथा घटगांव के 73 घरों सहित 1,229 घरों का विद्युतीकरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में सामरी विधायक श्रीमती उधेश्वरी पैकरा, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा श्री दीपक झा, कलेक्टर सरगुजा श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री वैभव बैंकर, वनमंडलाधिकारी श्री आलोक कुमार वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्री नयनतारा सिंह तोमर, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

महिला की गला दबाकर हत्या की पुष्टी,पति हिरासत में

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित डिगमा में महिला की लाश उसके ही घर में बिस्तर पर पड़ा मिला है। फिलहाल पुलिस महिला के पति को हिरासत में लिया है। क्योंकि घर में वह शराब के नशे में पाया गया था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार शीला सोन्हा पति उमाशंकर सोन्हा उम्र 30 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा की रहने वाली थी। वह पूर्व सरपंच सुमित्रा देवी की बहू थी। शीला व उमाशंकर की शादी वर्ष 2015 में हुई थी। इनके दो बच्चे हैं, पति व बच्चों के साथ अलग रहती थी। शनिवार की रात दोनों बच्चे दादी सुमित्रा देवी के घर जाकर खाना मांगा। दादी ने पूछा की क्या तुम्हारी मां खाना नहीं बनाई है। बच्चों ने दादी को बताया कि मां बिस्तर से नहीं उठ रही है। इस पर सुमित्रा देवी घर आकर देखी तो शीला सोन्हा मृत अवस्था में पड़ी थी। सावित्री देवी ने घटना की जानकारी गांधीनगर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। गांधीनगर थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में महिला की मौत गला दबाने से हुई है। गले में खरोच के निशान भी पाए गए हैं। पुलिस का मनना है कि उसकी हत्या शनिवार की दोपहर में ही कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि जिस घर में शीला सोन्हा की लाश मिली उसी घर में उसका पति उमाशंकर सोन्हा नशे की हालत में पड़ा मिला। जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया है।

बिरनपुर हिंसा मामले में सीबीआई की चार्जशीट से हुआ बड़ा खुलासा,राजनीतिक षड्यंत्र के नहीं मिले प्रमाण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

बहुचर्चित बिरनपुर हिंसा मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने अपनी चार्जशीट विशेष अदालत में दाखिल कर दी है। चार्जशीट में इस घटना को सामान्य पारिवारिक विवाद से उपजा सामुदायिक टकराव बताया गया है। सीबीआई की विस्तृत जांच में इस बात के कोई प्रमाण नहीं मिले कि घटना के पीछे कोई सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र था। उक्त बातें रविवार को पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि चार्जशीट के मुताबिक, विवाद की शुरुआत दो बच्चों के आपसी झगड़े से हुई, जो धीरे-धीरे दो परिवारों के बीच तनाव में बदला और अंततः दो समुदायों के बीच हिंसा का रूप ले लिया। सीबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक स्थानीय स्तर की घटना थी, जिसे बाद में राजनीतिक रूप से भुनाने का प्रयास किया गया।

राजनीतिक आरोपों पर लगा विराम : टीएस सिंह देव ने कहा कि चार्जशीट में यह उल्लेखनीय है कि भाजपा द्वारा उस समय कांग्रेस

सरकार पर लगाए गए तुष्टिकरण और राजनीतिक संरक्षण के आरोप बिलकुल निराधार पाए गए। इसके उलट, सीबीआई ने माना कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा की गई गिरफ्तारियां और कार्रवाई उचित थीं। भाजपा नेता ईश्वर साहू, जिनके बेटे भुनेश्वर की मृत्यु इस हिंसा में हुई थी, द्वारा जिन व्यक्तियों पर आरोप लगाए गए थे, उनमें से अंजोर यदु का नाम चार्जशीट में नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उस समय भाजपा ने इस मामले को धार्मिक और जातीय रंग देकर ध्रुवीकरण करने की कोशिश की थी।

चुनावी लाभ के लिए रची गई साजिश : चार्जशीट आने के बाद कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भाजपा ने इस दर्दनाक घटना को चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल किया। तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान उपमुख्यमंत्री अरुण साव पर आरोप है कि उन्होंने घटना स्थल पर जाकर भड़काऊ भाषण दिए और तनाव को और हवा दी। उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने भाषणों में इस घटना को सांप्रदायिक रंग देकर जनता को प्रभावित करने का प्रयास किया। भाजपा ने इस मामले में ईश्वर साहू को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर सहानुभूति बटोरने की रणनीति अपनाई थी। अब जब सीबीआई की रिपोर्ट में भाजपा के आरोप झूठे साबित हो चुके हैं, कांग्रेस ने मांग की है कि अरुण साव नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दें और प्रधानमंत्री मोदी एवं गृह मंत्री शाह को छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगनी चाहिए। प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, जपी श्रीवास्तव, अजय अग्रवाल, राकेश गुप्ता सहित अन्य शामिल रहे।

गांधीनगर थाना से कुछ दूर 14 घरों के टूटे ताले

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में चोरों ने एक बड़ा वारदात को अंजाम दिया है। गांधीनगर थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित सुभाष नगर में शनिवार रात चोरों ने 14 घरों के ताले तोड़कर कई कीमती सामान और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। यह सभी मकान किराए पर रह रहे लोगों के थे,जो दशहरा मनाने अपने घर व रिश्तेदारों के यहां गए हुए थे। रविवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने घरों के ताले टूटे देखे, तो हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वहीं, एक चोर वारदात को अंजाम देते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, जिसकी फुटेज पुलिस ने जब्त कर जांच में लिया है। हालांकि चोरी की कुल राशि का अभी तक आकलन नहीं हो पाया है क्योंकि ज्यादातर किराएदार अब तक लौटे नहीं हैं।

चोरी की यह वारदात वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद सुशांत घोष के बनाए गए किराए के मकानों में हुई है। सुशांत घोष सुभाष नगर क्षेत्र में रहते हैं और उन्होंने अपने घर के पास किराएदारी के लिए मकान बनाए हैं। उनके अलावा उनके बड़े भाई और अन्य लोगों ने भी आसपास मकान बनाकर किराए पर दिए हैं। सभी मकानों में रहने वाले किराएदार त्योहार मनाने अपने घर चले गए थे,जिसका फायदा उठाकर चोरों ने बड़े आराम से वारदात को अंजाम दिया। चोरी के शिकार लोगों में सावित्री दास भी शामिल हैं,जो भैयाथान स्थित अपनी बहन के घर गई हुई थीं। उन्हें पड़ोसियों ने फोन पर घटना की सूचना दी।

गंगापुर मुक्तिधाम के कायाकल्प में जुटी 'योगदान सेवा समिति',श्रमदान से हुई शुरुआत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

शहर के सेवाभावी युवाओं की संस्था 'योगदान सेवा समिति ने गंगापुर स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार और कायाकल्प का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में रविवार सुबह 8.30 बजे, समिति के सदस्यों ने मुक्तिधाम परिसर में एकत्रित होकर श्रमदान किया और वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। समिति के संयोजक प्रशांत सिंह चीकू ने बताया कि गंगापुर मुक्तिधाम में बाबूपारा, दर्रीपारा, गंगापुर,नमनाकला,सत्तीपारा,शीतला वार्ड क्षेत्र के करीब 10 वार्डों के लोग परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए आते हैं। यहां कई आवश्यक सुविधाओं का अभाव है, जिसे जनसहयोग से दूर करने का लक्ष्य रखा गया है। समिति की

योजना मुक्तिधाम की साफ-सफाई के साथ-साथ रंगरोगन, बैठने के लिए हवादार शेड का निर्माण,पेयजल की व्यवस्था, अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी की उपलब्धता, शव वाहन और अस्थि कलश सुरक्षित रखने की व्यवस्था करना है। इस अभियान की शुरुआत श्रमदान से की गई,जहां समिति के सदस्यों ने पूरे परिसर की सफाई की और बेल के पौधे लगाए। इस दौरान भविष्य की योजनाओं पर चर्चा भी हुई। यह निर्णय लिया गया कि दिवंगतों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु परिसर में छायादार और धार्मिक महत्व के वृक्षो, सजावटी तथा फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। इस पुनीत कार्य में समिति के अतुल मेहता,आशीष वर्मा,प्रमोद चौधरी,चन्द्र प्रकाश सिंह मग्गु, दिनेश कुमार शर्मा,केदार यादव,तृप्तराज सिंह धंजल, विनायक शर्मा,अमित कुमार सिंह,निखिल विश्वकर्मा,आशीष शर्मा,शिव कुमार मिंज,तीरथ चौधरी,राज मारियो कुशवाहा, कनिष्क सिंह,शिया नारायण, धनकु सहित सदस्यो ने श्रम दान किया। समिति भविष्य में सार्वजनिक लोक महत्व के अन्य स्थानों के काया कल्प के लिए प्रयास करेगी।

संगठित गिरोह ने असहाय लोगों के नाम पर खोले फर्जी खाते,पुलिस जांच जारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

साइबर सेल द्वारा की गई विस्तृत जांच में सत्तीपारा निवासी बालेश्वर उर्फ बालकेश्वर सोनी और पहलू उर्फ अमित मिश्रा द्वारा गरीब और असहाय लोगों को झांसे में लेकर उनके नाम से बैंक खाते और मोबाइल सिम कार्ड खुलवाकर उन्हें साइबर ठगी में उपयोग किए जाने का ठोस सबुत पाया गया है। साइबर सेल की रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी बालेश्वर सोनी और पहलू मिश्रा सत्तीपारा के आसपास के क्षेत्रों में रह रहे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे। गौरी सिंह और आरती सिंह जो दूसरों के घरों

में काम करती हैं इन्हें पुराने लोन पटाने में मदद का झांसा देकर उनसे बैंक खाता और मोबाइल सिम खुलवाए गए।

पूनम सिंह जिनका पति लकवा ग्रस्त है जिससे इलाज कराने में सहयोग करने का झांसा देकर उनसे भी नया खाता खुलवाकर सिम लिया गया। प्रशांत कुमार सिंह को फ्री रिचार्ज देने की बात कहकर उसकी फोटो और दस्तावेज लेकर खाता खुलवाया गया, जिसे बाद में ठगी में इस्तेमाल किया गया। इन मामलों में खाता धारकों की पृष्ठभूमि और वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनके खिलाफ किसी भी आपराधिक साजिश में शामिल होने के प्रमाण नहीं मिले हैं। आरोपियों ने शहर में एक संगठित सिंडीकेट खड़ा कर रखा था, जिसके माध्यम से वे म्यूल अकाउंट के जरिए साइबर अपराध से अर्जित धनराशि को प्राप्त करते थे। पहलू मिश्रा के खिलाफ पहले भी गांधीनगर और अंबिकापुर थानों में इसी तरह के मामले दर्ज हैं। साइबर सेल द्वारा 25 से 30 जुलाई 2025 तक प्राप्त चार पत्रों के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और उन्होंने कई म्यूल अकाउंट और फर्जी सिम कार्ड्स का उपयोग कर ठगी को अंजाम दिया। गांधीनगर थाने में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में है और यह जानने का प्रयास कर रही है कि ठगी की धनराशि का उपयोग किस प्रकार किया गया और इसमें कौन-कौन शामिल हैं। फिलहाल पहलू उर्फ अमित मिश्रा सट्टा खेलाने के मामले में जेल में है।

नदी में मौत का तांडव:दो नावें पलटीं

ग्रामीणों की जांबाजी से बची दर्जनों जिंदगियां

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

जिले के ओडगी ब्लॉक में मयूरधक्की-सौहार ग्राम पंचायत के लांजीत इलाके में खौफनाक मंजर देखने को मिला। महान नदी के तेज बहाव में दो नावें अचानक पलट गईं, जिससे सवार महिलाओं, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों समेत एक दर्जन से ज्यादा लोगों की जान पर बन आई। नदी किनारे चीख-पुकार मच गई,लेकिन गांववालों की सूझबूझ और बहादुरी ने एक बड़ी तबाही को टाल दिया। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया, हालांकि कुछ लोग मामूली चोटों से घायल हुए। कुलमिलाकर यह घटना न सिर्फ स्थानीय समस्या को उजागर करती है, बल्कि विकास के नाम पर चल रही लापरवाही पर सवाल उठाती है। क्या अब जाकर प्रशासन जागेगा..?

तेज बहाव ने छीना संतुलन, पानी में गिरे सभी सवार : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नावें नदी पार कर रही थीं, तभी तेज धारा ने उनका संतुलन बिगाड़ दिया। दोनों नावें

एक साथ उलट गईं और सवार लोग पानी की लहरों में समा गए। हादसे के बाद कुछ पलों के लिए दहशत का सन्नाटा छा गया। लेकिन गांव के बहादुर युवकों ने फौरन रस्सियां और लकड़ियां लेकर पानी में छलांग लगा दी। एक-एक करके सभी को बाहर खींचा गया। एक ग्रामीण ने कहा, अगर थोड़ी देर और लगती तो सब खत्म हो जाता। हमारी एकजुटता ने जान बचाई।

आजादी के 78 साल बाद भी पुल का सपना अधूरा, रोज मौत से आंख-मिचौली : यह हादसा महान नदी पर पुल न होने की दर्दनाक हकीकत को फिर से उजागर करता है। लांजीत, मयूरधक्की, सौहार और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग हर रोज जान जोखिम में डालकर नाव से नदी पार करते हैं। स्कूल जाना हो, अस्पताल पहुंचना हो या बाजार, हर काम मौत के मुंह से गुजरता है। खासकर मानसून में जलस्तर बढ़ने पर महिलाओं और बच्चों की जान पर बन आती है।

ग्रामीणों का गुस्सा : बार-बार मांग लेकिन प्रशासन की नींद नहीं टूटी

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को पुल निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं। यहां के ग्रामीणों ने कहा,कागजों में विकास चल रहा है,लेकिन जमीन पर मौत का खेल। आज की घटना चेतावनी है, कल कोई बड़ी दुर्घटना हुई तो जिम्मेदार कौन..? हादसे की खबर प्रशासन को दी गई, लेकिन शाम तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द पुल नहीं बना तो वे सड़कों पर उतरेंगे और आंदोलन करेंगे।

हत्या के मामले मे आरोपी गिरफ्तार

थाना सीतापुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही,शराब पीने के लिए नहीं देने पर मृतक आरोपी को गाली-गलौज कर रहा था,जो आवेशित आरोपी ने लकड़ी के फाड़ी से मारकर की हत्या

-संवाददाता-
सीतापुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ओम प्रकाश मरावी साकिन बटईकेला सीतापुर जिला सरगुजा दिनांक 03/10/25 को थाना सीतापुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि मुन्ना मरावी प्रार्थी के बडे पिताजी का लड़का है मुन्ना मरावी के घर और प्रार्थी के घर में दिनाक 02/10/25 को नवाखानी का त्यौहार मना रहे थे एवं प्रार्थी मुन्ना मरावी के घर गया था शाम करीब 07.00 बजे ठाकुर राम,मुन्ना मरावी को गंदी गंदी गाली देते जान से मारने की धमकी देते हुए लकडी का डंडा (फाड़ी) से मुन्ना मरावी के सिर में मारपीट किया है, मारपीट करने से सिर से खून निकला है जिसे इलाज हेतु जिला अस्पताल अंबिकापुर ले गए थे जो इलाज दौरान फौत कर गया है, जो वर्तमान मे मामले की मर्ग डायरी प्राप्त होना शेष है, जो प्रकरण मे आरोपी के विरुद्ध थाना सीतापुर मे अपराध क्रमांक 391/25 धारा 296,351(3),115(2), 109(1) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के आरोपी का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम ठाकुर राम आत्मज खिरू राम मरावी उम्र 48 वर्ष साकिन बटईकेला थाना सीतापुर का होना बताया,आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर बताया कि घटना दिनांक को मुन्ना मरावी,ठाकुर राम से शराब पीने के लिए मांग रहा था जो आरोपी शराब देने से मना किया जिस बात से नाराज होकर मुन्ना राम, ठाकुर राम को गाली गलौज कर रहा था जो मना करने पर भी नहीं माना जिस

बात पर आरोपी ठाकुर राम आवेश मे आकर मुन्ना राम को लकड़ी के फाड़ी से सर मे गंभीर चोट कारित कर दिया था, जो इलाज दौरान फौत हो गया है, आरोपी द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किये जाने पर आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त लकड़ी का फाड़ी एवं घटना के दौरान पहना गया हुआ टीशर्ट जप्त किया गया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, प्रकरण की मर्ग डायरी प्राप्त होने पश्चात मामले मे हत्या से सम्बंधित धारा जोड़कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायगी। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक गौरव पाण्डेय, उप निरीक्षक रघुनाथ राम भगत,आरक्षक धन्यकेश्वर यादव,राकेश यादव, कृष्णा खेस सक्रिय रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का शताब्दी वर्ष,नगर में हुआ भव्य पथ संचलन का आयोजन

देश में हुए बड़े परिवर्तनों में स्वयं सेवकों का रहा योगदान:सक्सेना

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्षगांठ एवं विजयादशमी पर्व के अवसर पर इस वर्ष मोहल्ला,बस्ती में पथ संचलन का आयोजन किया गया है। जिस तारतम्य में आज नगर के पंच मंदिर बस्ती का पथ संचलन किया गया। जिसमें सैकड़ों स्वयंसेवक पारंपरिक गणवेश में अनुशासित पंक्तियों में नगर भ्रमण करते नजर आए। पथ संचलन सरस्वती शिशु मंदिर से शुरू होकर मिश्रा गली, भैयाथान रोड, मस्जिद गली होते हुए शिशु मंदिर में समापन किया गया। संचलन के मार्ग पर शहरवासियों ने जगह-जगह

पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। इस दौरान नगर का माहौल देशभक्ति गीतों और घोषवाक्यों से गूंज उठा, जिससे नगर में नई ऊर्जा का संचार हुआ। सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित समापन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसजे सिंघल थे, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में विद्या भारती के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विवेक सक्सेना रहे। जिन्होंने अपने उद्बोधन में संघ के शताब्दी वर्ष पर संघ के स्थापना के लेकर वर्तमान में संघ के बारे में विस्तार से बताते हुए देश में हुए अनेक बड़े परिवर्तन में स्वयं सेवकों के योगदान को बताया। संघ के पंच परिवर्तन के विषय में प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में इन्हें अपनाना चाहिए। समापन अवसर पर नगर संघ चालक शंकर अग्रवाल भी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह अंकुर तिवारी व मुख्य शिक्षक विश्वनाथ सोनी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के कई पदाधिकारी सक्रिय रहे।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी,क्षेत्र में फैली दहशत

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

नगर के वार्ड क्रमांक 16, न्यू बाजारपारा में बीती रात अज्ञात चोरों ने घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल पार कर दी। घटना ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, राहुल जैन पुत्र कैलाशचंद जैन, निवासी न्यू बाजारपारा, सूरजपुर, जो स्थानीय हार्डवेयर की दुकान चलाते हैं,ने बताया कि उन्होंने

दिनांक 1 सितंबर की रात लगभग 11 बजे अपनी मोटरसाइकिल (पंजीकरण क्रमांक सीजी-15-डीई-5204) घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह 2 सितंबर को जब उन्होंने वाहन देखने गए, तो वह गायब था। आसपास तलाश करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला। चोरी गई बाइक की कीमत लगभग पंद्रह हजार रुपये बताई गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने थाना सूरजपुर में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 379 भारतीय दंड संहिता के तहत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा कैमरों की रिकॉर्डिंग भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

व्यापार समाचार

अगले सप्ताह पांच नए आईपीओ की लॉन्चिंग,24 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। लगातार दो सप्ताह तक प्राइमरी मार्केट में बड़ी संख्या में नए आईपीओ की लॉन्चिंग होने के बाद सोमवार 6 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट की हलचल तुलनात्मक रूप से कम रहने वाली है। इस सप्ताह पांच नए आईपीओ लांच होने वाले हैं। इनमें से चार आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा सब्सक्रिप्शन के लिए पहले से ओपन हुए तीन आईपीओ में भी सोमवार तक और एक आईपीओ में मंगलवार बोली लगाई जा सकेगी। इस सप्ताह होने वाली लिस्टिंग की बात करें तो 24 कंपनियां लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करेंगी। इनमें से पांच कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि 19 कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इस सप्ताह के पहले दिन ही 6 अक्टूबर को नए आईपीओ के रूप में टाटा कैपिटल का 15,511.87 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 8 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 310 रुपये से लेकर 326 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है,जबकि लॉट साइज 46 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 13 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। सप्ताह के दूसरे कारोबार वाले दिन 7 अक्टूबर को एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का 11,607.01 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 9 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 1,080 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 13 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी दिन अनंतम हाईवेज ट्रस्ट का 400 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 9 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए

98 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति यूनिट का प्राइस बैंड तय किया गया है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के यूनिट 17 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। मंगलवार को ही मित्तल सेक्शंस का 52.91 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें भी 9 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 136 रुपये से लेकर 143 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसके बाद गुरुवार 9 अक्टूबर को रुबिकॉन रिसर्च का 1,377.50 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 13 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 461 रुपये से लेकर 485 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है,जबकि लॉट साइज 30 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 16 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसके अलावा पिछले महीने 26 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले डीएसएम फ्रेश फूड्स के 59.06 करोड़ रुपये के आईपीओ में सोमवार 6 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.94 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है,जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 9 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह 30 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले ग्रीनलीफ एनवायरोटेक के 21.90 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी सोमवार 6 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक 0.30 गुना सब्सक्रिप्शन आ चुका है। इस आईपीओ में 136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 9 अक्टूबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। 30 सितंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले श्लोका डाइज के 63.50 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी सोमवार 6 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक सिर्फ 0.02 गुना सब्सक्रिप्शन आ सका है। इस आईपीओ में 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है।

आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 9 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसके अतिरिक्त 3 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले वी वर्क इंडिया मैनेजमेंट के 3,000 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 7 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इस आईपीओ के तहत अभी तक सिर्फ 0.04 गुना सब्सक्रिप्शन आ सका है। इस आईपीओ में 615 रुपये से लेकर 648 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 23 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 10 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होगी। अगले सप्ताह के दौरान कुल 24 कंपनियों लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगी। सप्ताह के पहले दिन 6 अक्टूबर को ही पेस डिजीटेक के शेयर बीएसई ओर एनएसई पर लिस्ट होंगे। किसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर भाविक एंटरप्राइजेज,अमीनजी रबर,एमपीके स्टील्स, रुक्मिणी देवी गर्ग एग्रो इंपैक्स और केवीएस कास्टिंग्स के शेयर अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे। 6 अक्टूबर को ही एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर मानस पॉलिमर्स के शेयरों की लिस्टिंग होगी। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार यानी 7 अक्टूबर को फैबटेक टेक्नोलॉजीज और ग्लॉटिस लिमिटेड के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग होगी। इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ढिल्लन फ्रेट कैरियर, ओम मेटालॉजिक और सोढानी कैपिटल के शेयर लिस्ट होंगे।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा:खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार में बनी रही बढ़त

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। पिछले सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। 3 अक्टूबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में बीएसई का सेंसेक्स 780.71 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ 81,207.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 239.55 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,894.25 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। जानकारों का मानना है कि मुद्रास्फीति के अनुमान में आई कमी,घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) द्वारा शेयर बाजार में लगातार की जा रही लिवाली,मानसून की अच्छी चाल और मौजूदा वित्त वर्ष की अगली तिमाही में मजबूत आय होने के अनुमानों की वजह से घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस सप्ताह की तेजी ने शेयर बाजार में पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान आई गिरावट के कारण हुए नुकसान की कुछ हद तक भरपाई भी कर दी। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। बीएसई की धनवान कंपनियां की चाल को दिखाने वाले इस इंडेक्स में शामिल भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, हिंदुस्तान जिंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, केनरा बैंक, वोडाफोन आइडिया,पंजाब नेशनल बैंक और अदानी पावर के शेयरों में लगातार तेजी का रुख बना रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद साप्ताहिक आधार पर दो प्रतिशत की मजबूती हासिल करके बंद हुआ। इस

इंडेक्स में शामिल सन टीवी नेटवर्क,एल एंड टी फाइनेंस, बैंक ऑफ़ इंडिया नेशनल अल्युमिनियम कंपनी आदित्य बिरला कैपिटल फोर्टिस हेल्थकेयर और एजिस वोपैक टर्मिनल्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर डिक्सन टेक्नोलॉजीज, हिताची एनर्जी इंडिया,केपीआईटी टेक्नोलॉजी और वर्लपूल ऑफ इंडिया के शेयर बिकवाली के दबाव में टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। मिडकैप की तरह ही बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स भी पिछले सप्ताह के कारोबार में दो प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल सम्मान कैपिटल, वैस्कॉन इंजीनियर्स, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स,डायनाकॉन्स सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस,टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडो थाई सिक्योरिटीज, वी2 रीटेल, जॉन कॉकेरिल इंडिया, उग्रो कैपिटल,पैनारोमा स्टूडियोज इंटरनेशनल, गुड लक इंडिया और बोरोसिल साइंटिफिक के शेयर साप्ताहिक आधार पर 12 से 33 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मजबूती के नए शिखर पर बिटकॉइन ऑल टाइम हाई का बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने आज एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। आज दिन के कारोबार में इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत करीब 2.7 प्रतिशत उछल कर 1,25,254.57 डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। इसके पहले इसी साल अगस्त के महीने में बिटकॉइन की कीमत 1,24,480 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची थी। इसके बाद इस क्रिप्टोकरंसी की कीमत में गिरावट आ गई। कारोबार में भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2 बजे के करीब इस क्रिप्टो करेंसी ने मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। हालांकि शाम 5 बजे बिटकॉइन 1,25,233.26 डॉलर के स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में किया गया निवेश है। इसके साथ ही वॉल स्ट्रीट में आई तेजी से भी बिटकॉइन की कीमत को सहारा मिला है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो करेंसी को लेकर कई अनुकूल नियम लागू किए हैं, जिससे बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज को काफी सपोर्ट मिला है। इसके अलावा संस्थागत निवेशकों ने भी इस साल बिटकॉइन में निवेश काफी बढ़ा दिया है, जिसकी वजह से इस क्रिप्टो करेंसी की चाल लगातार तेज बनी हुई है।

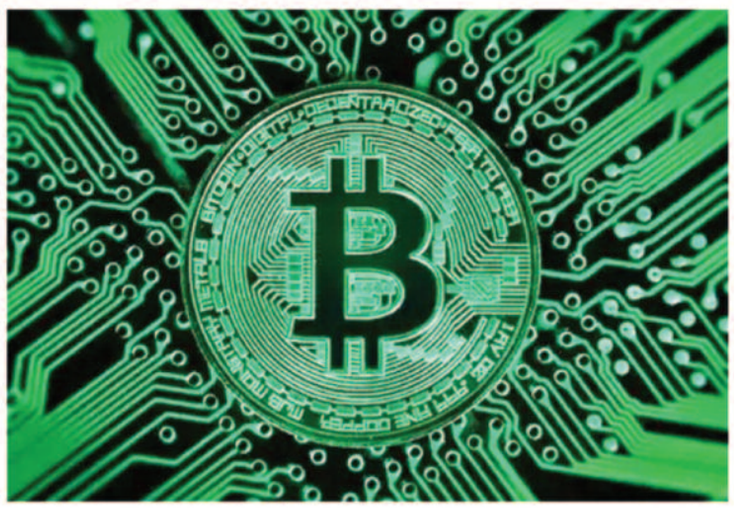

सितंबर में भारत का रूसी तेल आयात घटा लेकिन हिस्सेदारी अब भी एक-तिहाई से ज्यादा

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। भारत ने सितंबर में रूस से कच्चे तेल का आयात कम किया है,लेकिन इसके बावजूद भी देश की कुल जरूरत का एक-तिहाई से ज्यादा हिस्सा रूसी तेल से ही पूरा हो रहा है।

अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा है कि वह रूस से तेल खरीद कम करे,क्योंकि यह यूक्रेन युद्ध को मदद करता है। सितंबर में भारत का कुल कच्चे तेल का आयात करीब 47 लाख बैरल प्रतिदिन रहा। इसमें से 16 लाख बैरल तेल प्रतिदिन रूस से आया, जो कुल आयात का 34 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, यह जनवरी से अगस्त की औसत खरीद से करीब 1.6 लाख बैरल कम रहा।

ग्लोबल ट्रेड एनालिटिक्स कंपनी केपलर के मुताबिक, रूसी तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए सबसे सस्ता और फायदे का सौदा है। इसलिए कीमत थोड़ी कम-ज्यादा होने के बावजूद आयात जारी है।

CMYK

महापौर एहसान के नीचे और बबलू, राजू उस एहसान के ऊपर

दशहरा व मंत्री के जन्मदिन पर बबलू खूब लगाए ठुमका बैठी महिलाएं भी हुईं शर्मिंदा

महिला सम्मान का नहीं रखा गया ध्यान,यह कैसा आयोजन जहां फूहड़ता के लिए आयोजक ही थे जिम्मेदार

नगर निगम के दशहरा आयोजन के उस कार्यक्रम में फुहड़ता नजर आई जहां महापौर पर एहसान लादने वाले ठेकेदार खुद मौजूद थे,फुहड़ता ऐसी की दर्शक दीर्घा की महिलाएं घर लौट गईं,कार्यक्रम में महिलाएं जहां मंच के नीचे फूहड़ता देखकर खुद को शर्मशार महसूस कर रही थीं वहीं मंच पर आई महिला कलाकारों के सम्मान का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा था,मंच पर महिला कलाकारों के साथ शहर के खुद को संभ्रांत कहने वाले नाच रहे थे कहीं न कहीं उनका प्रयास महिला कलाकारों से अधिक निकटता की थी,अब ऐसे कार्यक्रमों के बाद ऐसे सवाल उठने लाजमी हैं कि आखिर जब आयोजक ही फूहड़ता पर उतारू हो जाएं कैसे कोई कार्यक्रम सभ्य समाज के लिए प्रस्तुत हो सकेगा, कार्यक्रम केवल आयोजकों के ही नाचने गाने का मंच बन गया था और जहां देर रात तक ठेकेदार नेता शर्म हया त्यागकर नाचते रहे।

दोस्ताना भी मंच पर ही निभा गए नगर निगम के संभ्रांत लोग,दर्शकों ने कहा कार्यक्रम व्यक्तिगत

मंच पर रात में ऐसा ऐसा कारनामा नजर आया जिसके बाद दर्शकों को यह भी कहते सुना गया कि पूरा कार्यक्रम व्यक्तिगत जैसा था या पारिवारिक था,मंच पर नेता, ठेकेदार अन्य उनकी मित्रमंडली दोस्ताना भी जाहिर करती नजर आई और दोस्ती के गाने के साथ वह मंच पर झूमते नजर आए। दोस्ताना गीत पर नाच गाना बताया जाता है पूरी मस्ती वाला था जो झूमते हुआ प्रदर्शन था संभ्रांत लोगों का।

धार्मिक आयोजनों में फूहड़ता आखिर कब बंद होगी ?

धार्मिक कार्यक्रमों में फूहड़ता कोई नई बात नहीं है,हर वर्ष यह मामला सामने आता है और संभ्रांत लोगों की किरकिरी होती है जिसके बाद मामला शांत हो जाता है क्योंकि वह प्रभावशाली लोगों से जुड़ा होता है जो सत्ता शासन से ऊपर होते हैं,वहीं सवाल यह है कि ऐसी फूहड़ता आखिर कब बंद होगी कब धार्मिक अवसरों पर होने वाले और ऐसे धार्मिक अवसरों को कलंकित करने वाले फूहड़ कार्यक्रम आयोजित होने बंद होंगे।

-न्यूज डेस्क-

एमसीबी/चिरमिरी,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के इकलौते महापौर क्या बबलू, राजू के एहसान तले दबे हुए हैं क्या वह उनके सामने इस कदर दबे हैं कि उन्हें कुछ कहने निर्णय लेने की भी आजादी नहीं है वह महापौर की जगह निर्णय लेने और महापौर की जगह अपनी उपस्थिति बनाए रखने स्वतंत्र हैं,सूत्रों का दवा है कि नगर निगम क्षेत्र में यदि कोई निर्णय चलता है तो वह बबलू,राजू का चलता है,चाहे वह किसी भी कार्य का हो,चाहे वह निर्माण से संबंधित भ्रष्टाचार का क्यों ना हो,बताया तो यह भी जाता है कि एक स्ट्रीट लाइट मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थित है, यदि उस लाइट की कीमत की जांच कर ली जाए तो लाइट की कीमत जो लगी है वह काफी कम कीमत की मिल जाएगी,पर उसका बिल जो लगा है वह 2 गुना नहीं 6 गुना ज्यादा है,अब इससे यह साफ होता है कि महापौर सब कुछ जान कर भी कुछ कर नहीं सकते पर यह जरूर है कि भ्रष्टाचार का ठीकरा अपने माथे पर ले जरूर सकते हैं? अब महापौर किस एहसान के तले दबे हैं या एहसान के नीचे हैं और राजू बबलू उस एहसान के ऊपर और एहसान के ऊपर होकर जो नाच वह नाच रहे हैं जो फूहड़ता वह फैला रहे हैं, क्या इसे जानता नहीं देख रही है इसका दुष्परिणाम क्या होगा? एहसान के नीचे दबा हुआ व्यक्ति बिना कुछ किए ही बदनाम हो गए है और एहसान के ऊपर के व्यक्ति तांडव कर रहे हैं, इस तांडव में मंत्री विधायक व भाजपा की भी किरकिरी हो रही है पर इस पर लगाम लगाएगा कौन?

ऐसा सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि नगर निगम

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों को देखने पहुंचे थे लोग या फिर मंत्री के खास बबलू का ठुमका देखने ?

नाम भले ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का था पर कार्यक्रम में फूहड़ता देखने को मिली ?

में दशहरा पर्व दिवस एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन में ऐसा कुछ देखने को मिला जो निगम के उन लोगों को शर्मशार कर गया जो उस कार्यक्रम में देर तक मौजूद थे जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद थीं,बताया जा रहा है और तस्वीरें भी सामने आई हैं जिसमें देखा भी जा सकता है कि असत्य पर सत्य की जीत का पर्व दशहरा एमसीबी जिले के नगर निगम चिरमिरी में किस तर्ज पर मनाया गया,चिरमिरी में आयोजित एक रावण दहन कार्यक्रम में रावण दहन उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिस कार्यक्रम में देर रात फूहड़ता देखने को मिली,इस दौरान बाहर से आए कार्यक्रम में महिला कलाकारों का नृत्य जारी था जिसमें शहर के बड़े ठेकेदार खुद महिला कलाकारों के साथ स्टेज पर नाचते नजर आए और जब फूहड़ता बढ़ गई दूर दूर से आए दर्शक कार्यक्रम छोड़कर घर लौट गए और जिन्हें यह कहते भी सुना गया कि जब शहर के ठेकेदारों नेताओं को ही नाचना था बाहर से कलाकारों को बुलाकर पैसा खर्च करना आवश्यक नहीं था वही खुद नाच लेते यह पैसे की बर्बादी हुई,कार्यक्रम बुराई पर अच्छाई की जीत का था जहां नेता ठेकदार और अन्य मित्रमंडली उनकी नाचती रही मंच पर। वैसे नवरात्रि का पर्व बड़ा पवित्र पर्व माना जाता है हिन्दुओं के लिए वहीं दशहरा का भी पूर्व धर्म अनुसार धर्म विजय और अधर्म के नाश का है लेकिन इस पर्व के आयोजन की जिम्मेदारी निभाने वाले कुछ लोगों के कारण यह पर्व अब कई बार फूहड़ता परोसने के नाम पर बदनाम होता जा रहा है जो आलोचनाओं का भी कारण बन रहा है,धर्म आयोजनों में फूहड़ता का स्थान नहीं होना चाहिए लेकिन आजकल आयोजक इसी को धर्म मानकर चलते हैं और कहीं न कहीं वह धर्म को भी आलोचना का शिकार बनने मजबूर करते हैं। चिरमिरी के दशहरा अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शहर के संभ्रांत माने जाने वाले लोग जिनमें मंत्री के खास ठेकेदार, नेता मौजूद थे मंच पर महिला कलाकारों के साथ नाचते नजर आए और जो मामला या जो कृत्य मंच के नीचे बैठे दृश्य खासकर महिला दर्शकों को नहीं भाया और वह धीरे धीरे घर लौट गए,इस दौरान मंच पर फूहड़ता का प्रदर्शन जारी रहा। वैसे सवाल यह उठता है कि आखिर क्यों लोग ऐसा कृत्य करते हैं जो एक धर्म समुदाय की बदनामी का कारण बनता है,जो नवरात्रि पर्व नौ दिवस तक धार्मिक होता है आस्था से जुड़ा होता है वह दसवें दिन क्यों अधर्म के लिए ख्याति प्राप्त करती है जबकि दसवें दिन को अधर्म के नाश का दिन कहा जाता है।

देर रात तक मंच पर शहर के ही कुछ नेता ठेकेदार नाचते रहे...

नवरात्रि अवसर पर वैसे तो माता दुर्गा की पूजा की जाती है और दशहरा के दिन रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित कर असत्य पर सत्य की जीत का पर्व मनाया जाता है लेकिन इन धार्मिक आयोजनों को भी कुछ आयोजक अपने मनोरंजन मात्र के लिए ऐसा बना देते हैं कि आलोचना होने लगती है और आयोजन को लेकर लोग खुद को शर्मशार मानने लगते हैं क्योंकि वह भी उत्साह में उसका हिस्सा बन जाते हैं और जब उन्हें ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों में फूहड़ता और अश्लीलता का भान होता है वह शर्मिंदगी महसूस करते हैं,ऐसा ही एक मामला चिरमिरी से सामने आया है जहां आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां रात में फूहड़ता देखने को मिली जिसमें मंत्री जी के खास लोग खुद नचनिया बनकर स्टेज पर नाचते नजर आए जहां कार्यक्रम देखने पहुंचे दर्शकों ने श्रद्धालुओं ने आपस में यह निष्कर्ष निकाला कि जब नाचने वाले शहर में ही मौजूद हैं तो फिर क्यों लाखों का खर्च कर कलाकार बुलाने की जहमत उठाई गई। मामला एमसीबी जिले के इकलौते नगर निगम चिरमिरी के एक आयोजन का है और जहां शहर के दो ठेकेदार स्टेज पर खुद चढ़कर नृत्य प्रस्तुत करने आई नृत्यांगनाओं के साथ नाचते नजर आए, इस दौरान महिलाएं भी काफी संख्या में शहर की मौजूद रहीं जिन्हें बाहर से आए कार्यक्रम का लुत्फ उठाने आमंत्रित किया गया था लेकिन जब उन्होंने देखा कि शहर के ठेकेदार ही नाच रहे हैं फूहड़ता शुरू है वह शर्मसार होकर घर लौट गईं,देर रात तक मंच पर शहर के ही कुछ नेता ठेकेदार नाचते रहे और असत्य पर सत्य के विजय का पर्व मनाया जाता रहा,मंच पर नृत्यांगनाओं के साथ नाचने वाले बबलू और राजू के क्या एहसान तले दबे हुए हैं महापौर ऐसा सवाल इसलिए क्योंकि जिन मंचों पर महापौर को होना चाहिए जहां उनकी उपस्थिति जनता के बीच होनी चाहिए वहां दोनों ठेकेदार मंचों की शान होते हैं और महापौर मौन बने रहते हैं।

महिलाओं की उपस्थिति में मंच पर महिला कलाकारों के साथ नाचते नजर आए ठेकेदार,हो रही आलोचना

असत्य पर सत्य की अधर्म पर धर्म की जीत का पर्व दशहरा हर जगह उत्साह से मनाया गया लेकिन चिरमिरी के एक आयोजन में अलग ही नजारा देखने को मिला,इस कार्यक्रम में वैसे तो मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था बाहर से कलाकार आए हुए थे लेकिन कलाकारों से ज्यादा नृत्य निगम के ठेकदार नेता और उनके मित्र करते नजर आए,सार्वजनिक आयोजन में महिलाओं की उपस्थिति में जो प्रदर्शन मंच पर शहर के ठेकेदार नेता और उनके मित्रों ने किया वह नीचे दर्शक दीर्घा में बैठी महिलाओं को नहीं पसंद आया वैसे इसकी आलोचना अन्य पुरुष दर्शकों ने भी की,आलोचकों का कहना है कि जब खुद को ही नाचना था फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम बाहर से बुलाने की क्या आवश्यकता थी,महिला दर्शकों के बीच संभ्रांत बनने वाले लोगों का नृत्य प्रदर्शन नापसंद किया गया,वैसे असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की जीत का पर्व कम से कम इस आयोजन में उलटा साबित हुआ और आलोचना से कार्यक्रम ख्याति पा सका।

पार्थ बने गेवरा परियोजना के महाप्रबंधक

-संवाददाता-

कोरबा,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय ने कार्यादेश क्रमांक 666, 04 अक्टूबर को खनन विभाग की तबादला सूची जारी की है। इस सूची में ई-8 पद के 11, ई-7 पद के 4, ई-6 पद के 2, ई-5 पद के 1, ई-4 पद के 3 और ई-3 पद के 3 अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। विशेष रूप से,केवल गेवरा क्षेत्र से पाँच अधिकारियों को हटाया गया है। इन तबादलों के बीच सबसे प्रमुख नाम पार्थ मुखर्जी का है,जिन्हें उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली,कर्तव्यनिष्ठा और खनन क्षेत्र में अनुभव के कारण गेवरा परियोजना का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय हैं की श्री मुखर्जी अब तक के अपने कार्यकाल में कई परियोजनाओं में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल कर चुके हैं। उन्होंने रायगढ़ क्षेत्र की बड़ौद परियोजना को नई पहचान दिलाई थी और उत्पादन में रिकॉर्ड स्तर हासिल किया था। इसके बाद उन्हें दीपका क्षेत्र में पदस्थापित किया गया, जहाँ उन्होंने भू-राजस्व विभाग में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए सभी जिम्मेदारियाँ बखूबी निभाई। हाल ही में दीपका क्षेत्र में पुनः पदस्थ होने के बाद उन्होंने दीपका विस्तार के तहत ग्राम मलगांव का अधिग्रहण पूरा किया, 45 हेक्टेयर भूमि अर्जित कर समतलीकरण कार्य को अंजाम दिया और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दिलाई। मात्र छह माह के भीतर दीपका परियोजना को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की श्रेणी में लाने में उनकी भूमिका निर्णायक रही। जानकारी के अनुसार श्री मुखर्जी मेगा परियोजनाओं में चौथी बार महाप्रबंधक के रूप में पदस्थ हुए हैं। वर्ष 2024 में जब कुसमुंडा परियोजना कठिन परिस्थिति से गुजर रही थी,तब उन्होंने नेतृत्व सँभालकर प्रतिदिन के उत्पादन को 7,000 टन से बढ़ाकर 1,50,000 टन तक पहुँचा दिया था,जो अपने आप में एक मील का पत्थर साबित हुआ। मुख्यालय ने उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए अब उन्हें देश की सबसे बड़ी कोयला परियोजनाओं में से एक गेवरा परियोजना की कमान सौंपी है।

महात्मा गांधी जयंती पर जिले में शुरू हुआ कुष्ठ रोग जागरूकता सप्ताह

-संवाददाता-

एमसीबी,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक कुष्ठ जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. मो. वसीक अस्दक,अवनीश पांडेय और कुष्ठ सहायक नोडल संतोष सिंह ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि कुष्ठ कोई लाइलाज बीमारी नहीं है, बल्कि इसका 100 प्रतिशत इलाज संभव है। जरूरत है केवल सही समय पर पहचान और उपचार की। डॉ. मो. वसीक अस्दक ने बताया कि समाज में आज भी कुष्ठ के प्रति कई तरह की गलतफहमियां फैली हुई है,जबकि यह पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में हल्के रंग का धब्बा, धब्बे वाले स्थान पर सुन्नपन,कोहनी के पास नस का मोटापन या कान के ऊपर मोटापन जैसे लक्षण दिखाई दें, तो उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करानी चाहिए। जिला कुष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि कुष्ठ रोग की सभी दवाइयां जिले के प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क उपलब्ध हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि लक्षण दिखने पर बिना झिझक उपचार लें और दूसरों को भी इस संबंध में जागरूक करें।

राताखार एनीकेट हादसा:डूबे युवक का शव बरामद

-संवाददाता-

कोरबा,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

राताखार एनीकेट बाँध में रविवार को पिकनिक के दौरान डूबे युवक पवन सिंह का शव सोमवार सुबह सर्वमंगला मंदिर के पास हसदेव नदी तट पर मिला। बताया गया कि पवन अपने बड़े भाई श्याम सिंह को डूबने से बचाने के लिए बाँध के तेज बहाव में कूद गया था। श्याम को तो दोस्तों ने बचा लिया, लेकिन पवन बह गया। दर्री थाना पुलिस और गोताखोरों की टीम ने लगातार तलाशी अभियान चलाया। सुबह लोगों ने नदी में शव देखा,जिसे बाद में किनारे लाकर पहचान की गई। पवन मजदूरी कर परिवार की मदद करता था और घर का सबसे छोटा बेटा था।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क0..... अ- 6 /2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण जसबीर सिंह कालकट,जगदीप सिंह कालकट,सतपाल सिंह कालकट आ0 सरवन सिंह कालकट उर्फ श्रवण सिंह, सभी निवासी गुरूनानक वार्ड अम्बिकापुर के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर कथन किया है. कि आवेदकगण के पिता श्रवण सिंह उर्फ सरवन सिंह एवं अनावेदकगण श्रीमती करमजीत सिंह कौर पति स्व. हरजीत सिंह वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला केदारपुर स्थित भूख.क्र. 1118 तथा 1119 रकबा 9147.6 वर्गमीटर भूमि तथा एकल स्वामित्व की मोहल्ला देवीगंज रोड स्थित भूख.क्र. 550/ 1 तथा मोहल्ला केदारपुर स्थित भूख.क्र. 1237/2 है। श्रवण सिंह उर्फ सरवन सिंह की मृत्यु दिनांक 25.08.2025 को हो गई है। आवेदकगण के पिता द्वारा अपने जीवन काल में मृत्यु के पूर्व आवेदकगण के पक्ष में एक पंजीबद्ध वसीयतनामा गवाहों के समक्ष निष्पादित करवाया है। अतः उक्त पंजीबद्ध वसीयतनामा के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से अपने पिता का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु मृत्तक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, वसीयत पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109,110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/09/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क0..... /अ- 20(3) /2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक के0एन0 राजेन्द्रन पिता श्री नारायणन निवासी वार्ड-7 नवापारा सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर, श्रीमती मीना राजेन्द्रन पति के0एन0 राजेन्न पिता श्री नारायणन निवासी ग्राम वार्ड नम्बर-7 नवापारा सूरजपुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला भट्ठपारा नगर अम्बिकापुर,शीट नम्बर 11 स्थित भूखण्ड क्रमांक 4503/11 रकबा 0.10 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता विजय कुमार पिता कारीला ववनकुन्ज गोपीनाथन निवासी वार्ड नम्बर-45 भट्ठापारा अम्बिकापुर जयश्री विजय पति विजय कुमार निवासी वार्ड नम्बर-45 अम्बेडकर वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा,शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक-24/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

सील

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

ईश्तहार

रा0प्र0क0..... /अ- 20(3) /2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक के0के0 तगप्पन आ0 कुट्टी जाति कायस्थ निवासी सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर श्रीमती राधामणी तगप्पन पत्नी के0के0 तगप्पन जाति कायस्थ निवासी सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर, मुख्तारआम कर्ता के0एन0 राजेन्दन पिता नारायणन निवासी वार्ड 7 नवापारा सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला भट्ठपारा नगर अम्बिकापुर, शीट नम्बर 11 स्थित भूखण्ड क्रमांक 4503/10 रकबा 0.11 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता विजय कुमार पिता कारीला ववनकुन्ज गोपीनाथन निवासी वार्ड नम्बर-45 भट्ठापारा अम्बिकापुर, जयश्री विजय पति विजय कुमार निवासी वार्ड नम्बर-45 अम्बेडकर वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-24/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

सील

C M Y K

वाह रे राजस्व विभाग, बिना जांच के ही कौन फर्जी है, कौन वैध है, यह तय कर दिया ?

एक प्रकरण,दो वसीयत,दो आदेश और दोनों में विरोधाभास क्यों ?

वाह रे तहसीलदार साहब,आदेशों को देखकर लगता नहीं कि राज्य प्रशासनिक सेवा उत्तीर्ण अधिकारी स्तर का आदेश है ?

एक आदेश में वसीयतकर्ता पढ़ा लिखा व्यक्ति, दूसरे आदेश में अत्यंत कम शिक्षित

आदेश में यह भी की मृत्यु पूर्व वसीयतकर्ता लकवाग्रस्त और अस्पताल में भर्ती था, तो कैसे हुई वसीयत

एक वसीयत में वसीयतकर्ता के हस्ताक्षर और दूसरे में अंगूठे का निशान, कौन सही,यह कैसे तय किया गया ?

भूमि स्वामी छह रकबे का था मालिक,एक वसीयत में सभी का जिक्र,दूसरे में केवल हाईवे से सटी महंगी भूमि का जिक्र

अन्यायपूर्ण फैसले से क्षुब्ध परिवार,फैसला कर्ता ने अपील की दी सलाह,क्या उन्हें नहीं पता,राजस्व प्रकरणों के अपील में पीढ़ियां गुम हो जाती हैं ?

पटना तहसील का बड़ा फैसला : गिरजापुर जमडी की भूमि विवाद का निपटारा

पटवारी का प्रतिवेदन भी पीड़ित के पक्ष में, बावजूद इसके दावे को दरकिनार कर किया गया फैसला

-न्यूज डेस्क-

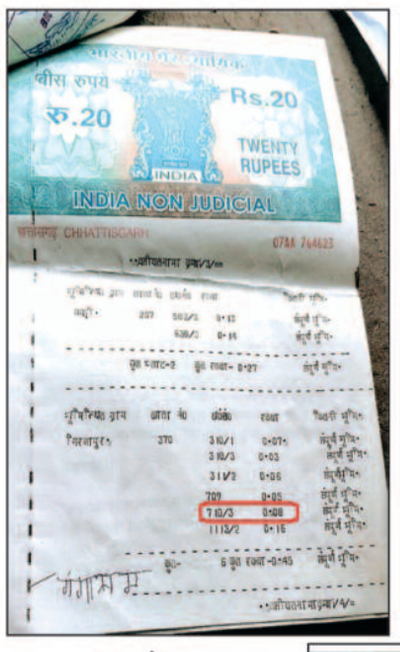

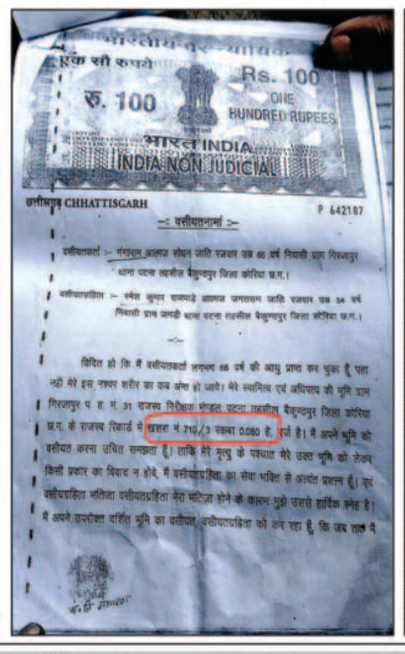

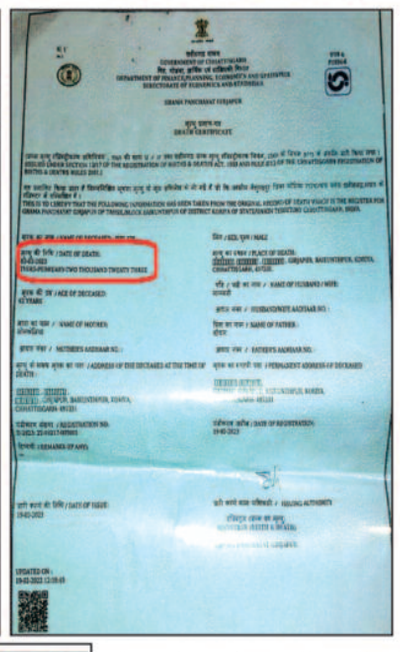

बैकुंठपुर,05 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। राजस्व विभाग कहने को तो सभी शासकीय विभागों का नेतृत्वकर्ता विभाग माना जाता है और एक तरह से वह प्रमुख विभाग नियंत्रक की भूमिका अन्य विभाग पर निभाने जिम्मेदारी वाला विभाग है लेकिन खुद राजस्व विभाग की बात करें तो यह खुद ऐसे निर्णयों के लिए विख्यात है कि इस विभाग के निर्णय लगातार दोषपूर्ण ही सामने आ रहे हैं। ताजा मामला कोरिया जिले के पटना तहसील का है जहां पढ़े लिखे राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण अधिकारी राजस्व न्यायालय के न्याय पद पर हैं लेकिन उन्होंने एक ऐसा फैसला हाल ही में एक वसीयत मामले में सुनाया है जो सुनकर ही दोषपूर्ण माना जा रहा है जिसकी आलोचनाएं हो रही हैं जिसको लेकर यह भी चर्चा हो रही है कि राजस्व विभाग में पैसे और प्रभाव से कुछ भी संभव है बस माध्यम और जेब गरम होनी चाहिए। एक वसीयत या यह कहें एक ही व्यक्ति ने दो वसीयत बनाई एक उसने कुछ वर्ष पहले बनाई जिस दौरान वह स्वस्थ था लिख पढ़ सकता था समझ सकता था तब उसने वसीयत बनाई और उसे शपथ आयुक्त से प्रमाणित कराया और अपनी संपूर्ण जमीन संपत्ति का वारिश एक परिवार के व्यक्ति को बनाया वहीं जब वह लकवा ग्रस्त हो गया और जब वह मरणासन्न अवस्था में था तब की एक वसीयत पर तहसीलदार पटना ने फैसला उस व्यक्ति के पक्ष में सुनाया जो ऐसी वसीयत के साथ उनके पास पहुंचा जो मरणासन्न अवस्था वाले व्यक्ति की मौत के बाद का समय था जिसमें मृतक के अंगूठे के निशान थे जिसको शपथ आयुक्त से प्रमाणित भी नहीं कराया गया था। एक व्यक्ति दो वसीयत एक वैध एक अवैध बिना जांच ही तहसीलदार ने तय कर दिया जबकि पटवारी प्रतिवेदन अलग ही कहानी बयान करता है। पटना तहसीलदार का फैसला आजकल जिले में लोगों की जबान पर है क्योंकि फैसले से एक व्यक्ति को राजकीय राज्यमार्ग की बेशकीमती जमीन हासिल हुई और हासिल होते ही उसे हासिल करने वाले ने महंगे दाम में बेच दिया जो खरीदा भी ऐसे व्यक्ति ने जिसकी एंट्री ही मामले में संदेह जताने काफी है क्योंकि वह प्रदेश कैबिनेट की कद्दावर मंत्री का परिवार सदस्य है। पटना तहसीलदार का फैसला दो वसीयत और दो अलग अलग फैसला, एक में एक व्यक्ति अपना हस्ताक्षर करता है और सम्पूर्ण अचल संपत्ति का वारिश बनाकर एक व्यक्ति को सौंपता है वहीं दूसरी वसीयत में वसीयत करने वाले की मृत्यु उपरांत वसीयत उजागर होती है और उसमें वसीयतकर्ता के अंगूठे का निशान है और एकमात्र जमीन के टुकड़े की वसीयत है जो राजकीय राज्यमार्ग से लगी महंगी जमीन है,महंगी जमीन वाली वसीयत पर बिना किसी जांच तहसीलदार पटना ने आदेश जारी कर दिया और जमीन अंगूठे वाली वसीयत पर हो गया वहीं शपथ आयुक्त से प्रमाणित साथ ही मृतक की हस्ताक्षर वाली वसीयत पर केवल वह जमीन अन्य वारिश को मिली जो सड़क से अलग कम कीमती जमीन थी। तहसीलदार पटना का फैसला आज चर्चित फैसला माना जा रहा है और जिसके बाद वह अपील में आगे जाने की बात उस फरियादी से कर रहे हैं जो वसीयत में संपूर्ण का उत्तराधिकारी बनाया गया है।

घटती घटना | अम्बिकापुर,मंगलवार 23 सितम्बर 2025 | 6

तहसीलदार न्यायालय में अंगूठे वाली वसीयत के सामने हस्ताक्षर सहित शपथ आयुक्त से प्रमाणित वसीयत को नहीं मिली मान्यता...

सेवा करने वाले को नहीं मिली जमीन और तिकड़मी किस्म के व्यक्ति, जो वसीयतकर्ता की मृत्यु पर भी नहीं पहुंचे अंतिम संस्कार में,उसे माना गया अंतिम वारिश

मृतक वसीयतकर्ता जिसने दो वसीयत की जैसा कि तहसीलदार ने माना भी कि सेवा करने वाले को तहसीलदार के फैसले के बाद कोई जमीन नहीं मिली जबकि वह मृतक की वर्षों तक सेवा करता रहा और उसकी मूर्छित अवस्था सहित उसकी मृत्यु उपरांत होने वाले सभी क्रियाकर्म भी संपन्न किया, जमीन खासकर बेशकीमती जमीन उसे मिली जिसने न तो मृतक वसीयतकर्ता की सेवा की और न ही अंतिम संस्कार में ही वह पहुंचा,कुल मिलाकर एक तिकड़मी महंगी जमीन का मालिक बन गया और मालिक बनते ही जमीन को बेच भी दिया महंगे दाम पर वह भी एक मंत्री के परिवार सदस्यों को, कुल मिलाकर मृतक का वारिश वह माना गया तहसीलदार द्वारा जो शायद वारिस था भी नहीं वहीं जिस वसीयत पर फैसला हुआ वह मृतक के अंगूठे के निशान वाला वसीयत था जो उसकी मूर्छित अवस्था में बनाया गया वसीयत था जो न पंजीकृत था न ही वह शपथ आयुक्त से प्रमाणित था,वसीयत में अंगूठे का निशान मृतक के ही थे इसकी भी पहचान हुई संदेह है इसमें।

तहसीलदार की सुनवाई और जांच संदेहास्पद

गंगाराम की वसीयत मूर्छित अवस्था में जो अंतिम समय पर उनके मृत्यु से तीन दिन पहले यानी की 30.01.2023 को अंतिम वसीयत लिखी थी उसे सही मानकर 5 साल पहले होशो हवास में लिखी गई वसीयत को संदिग्ध बताकर इस फैसले को तहसीलदार ने राजस्व न्यायालय के एक अजीबोगरीब फैसले में सुमार कर दिया,लेकिन उससे पूर्व 2018 की वसीयत को संदिग्ध क्यों माना गया यह आदेश में स्पष्ट नहीं कर पाए एक भी तथ्यात्मक बातें रखकर 2018 के वसीयत को खारिज करते तो समझ में भी आता पर बेफिजूल की बात लिखकर खारिज करना यह बता दिया कि यह मामला सिर्फ राजनीतिक व पैसे के प्रभाव में फैसला है।

आदेश के मुख्य बिंदु

1. रोहित कुमार का आवेदन खारिज कर दिया गया पर क्यों किया गया क्योंकि वह होशो हवास में शपथ पूर्वक हस्ताक्षर युक्त बनाया गया था इसलिए वह संदिग्ध निकला ?

2. वसीयत दिनांक 14.08.2018 को 'अवैध एवं संदिग्ध' माना गया क्योंकि उसमें सारी जमीन एक वसीयत में थी इसलिए ?

3. भूमि खसरा नं. 710/3 (0.080 हे.) पर रमेश कुमार की वसीयत पटना तहसील न्यायालय में इसलिए स्वीकार हो गई क्योंकि वह मृत्यु से 3 दिन पहले सिर्फ एक कीमती जमीन के लिए बनी थी वह भी इस अवस्था में जिस अवस्था में वह व्यक्ति जिंदगी व मौत के बीच आखिरी सांस ले रहा था और उसमें इतनी भी शक्ति नहीं थी कि वह हस्ताक्षर कर सके अंगूठा ही लगाया गया और वह भी वसीयत नोटरी यानी की शपथ-पत्र तक नहीं पहुंच पाया इसलिए वह वसीयत सही थी और स्वीकार लायक थी ?

4. बाकी जमीन सभी किस वैध उत्तराधिकारी के नाम दर्ज होगी जिसने उसे जमीन पर अपना हक ही नहीं मांग रहा उसके नाम दर्ज होगी ?

5. पटवारी को निर्देश दिया गया कि राजस्व रिकॉर्ड में गंगाराम आ0 सोधन का नाम हटाकर वारिसों के नाम दर्ज किया जाए,इस फैसले ने नौसिखिया तहसीलदार की उपाधि इस फैसले को सुनाने वाले को दे दी...

होशो-हवास में की गई वसीयत या कोई भी किसी भी परिस्थिति में बना दस्तावेज सही होगा या फिर मूर्छित अवस्था में ?

तहसीलदार पटना ने एक ऐसी वसीयत पर फैसला दिया है जो कानूनन सही नहीं कहा जा सकता,जानकारों का कहना है कि न्याय विषय में जब वसीयत का विषय सामने आए तब प्राथमिकता केवल रजिस्टर्ड दस्तावेज ही न्याय के लिए आधार बनाए जाने चाहिए,यदि ऐसा दस्तावेज नहीं है तो जांच परीक्षण अच्छे से और विस्तृत किया जाना चाहिए,पटना तहसीलदार ने एक मामले में ऐसा नहीं किया,वह पैसे या किसी के प्रभाव में थे ऐसा आरोप लग रहे हैं,वैसे अब भी मामले में एक सवाल खड़ा है कि न्याय विषय में यदि वसीयत का मामला है तब क्या होशो हवास में और स्वस्थ अवस्था में की गई वसीयत मान्य की जानी चाहिए या फिर मूर्छित अवस्था वाली वसीयत भी मान्य की जानी चाहिए। सवाल क्या न्याय विषय में कोई भी कैसा भी दस्तावेज मान्य है फैसले के लिए उसका परीक्षण और जांच अनिवार्य नहीं है।

क्या कलेक्टर कोरिया व सरगुजा कमिश्नर तहसीलदार के फैसले की जांच कराएंगे ?

मामला सीधे तौर पर दोषपूर्ण फैसले के रूप में माना जाएगा, फैसले में जांच परीक्षण का अभाव और जल्दबाजी साथ ही अंतिम लाभ मंत्री परिवार तक पहुंचना बतलाता है कि तहसीलदार ने प्रभाव या अन्य लाभ के लिए जल्दबाजी दिखाई क्योंकि यह त्रुटि है या जानकारी के अभाव में सुनाया गया फैसला नहीं है,यह फैसला सोची समझी रणनीति है,अब मामला दोषपूर्ण यदि है जैसा एक वारिसदार का कहना है उसका आरोप है तो क्या अब कलेक्टर कोरिया और कमिश्नर सरगुजा मामले की जांच कराएंगे, वैसे क्या मामला मंत्री से जुड़ा होने के कारण उनके परिवार से जुड़ा होने के कारण अपील में या जांच में भी खारिज किया जाएगा, सवाल कई हैं, राजस्व विभाग की विश्वसनीयता भी इस मामले में परीक्षा की स्थिति में है और अब देखना है कि आगे क्या निर्णय उच्च अधिकारी लेते हैं।

किसी लाभ के तहत तहसीलदार ने अपने विवेक व अधिकारों का दुरुपयोग किया ?

पटना तहसीलदार के एक फैसले ने जन चर्चा का बाजार गर्म कर दिया कि अन्याय दिनदहाड़े हुआ,वहीं मामले में यह सवाल भी खड़ा हुआ कि आखिर किस लाभ के तहत तहसीलदार ने ऐसा फैसला दोषपूर्ण फैसला सुनाया,वैसे तहसीलदार ने लाभ मात्र के लिए ऐसा फैसला सुनाया या लाभ और प्रभाव दोनों इस मामले में फैसले का आधार बन सके। पूरे मामले में अब जांच और जांच उपरांत सच्चाई का इंतजार है वैसे मामला तुल नहीं पकड़ता यदि जमीन फैसले के बाद खरीदने वाला मंत्री परिवार नहीं होता।

क्या तहसीलदार के लिए कुछ भी निर्णय देने के बाद यह कहना कि आप अपील में जाएं,क्या यह न्याय संगत है ?

पटना तहसीलदार न्याय करने के बाद फरियादी को अपील में जाने की भी सलाह दे रहे हैं,जिस फरियादी को उनके दोषपूर्ण फैसले से हानि हुई उसे वह अपील में जाकर न्याय की गुहार लगाने की सलाह दे रहे हैं,अब क्या तहसीलदार पटना का यह कहना न्याय संगत है कि हारने के बाद वह भी दोषपूर्ण निर्णय के बाद मिली हार के बाद अपील में जाइए। तहसीलदार वैसे खुद स्वीकार कर रहे हैं कई जगह की फैसला दोषपूर्ण है और यह दबाव वाला फैसला है लेकिन अब वह जिनसे कह रहे हैं न वह आकर बयान देंगे न तहसीलदार खुद इसलिए जांच गहन आवश्यक है।

मृत्यु से तीन दिन पहले के मूर्छित अवस्था में बने वसीयत के पक्ष में तहसीलदार का फैसला

गांव गिरिजापुर स्थित खाता संख्या 710/3,रकबा 0.08 एकड़ भूमि को लेकर चल रहे विवाद में राजस्व विभाग ने आवेदक रमेश कुमार राजवंशी के पक्ष में फैसला सुनाया है। इस फैसले में सबसे आश्चर्य की बात यह है कि यह फैसला उस वसीयत पर सुनाया गया जिस वसीयत को उस समय बनाया गया जिस समय वसीयतकर्ता मूर्छित अवस्था में था और वसीयत शपथ पत्र युक्त भी नहीं था, हस्ताक्षर की जगह अंगूठा लगा हुआ था हमने एक अधिवक्ता से इस बारे में पता किया तो उनका कहना है कि वसीयत वही मान्य होती है जो होशो हवास में बनाई गई हो ,ऐसी अवस्था में बनाई गई वसीयत नहीं मान्य होती जिस समय व्यक्ति मूर्छित हो उसके पास सोचने समझने की शक्ति ना हो,पर जिस वसीयत के पक्ष में फैसला तहसीलदार पटना द्वारा दिया गया वह वसीयत कुछ ऐसे ही समय पर बनी थी,यह भूमि पहले गंगाराम आत्मज सोधन के नाम दर्ज थी, जिनका निधन 30 जनवरी 2023 को हो गया था। उनकी पत्नी का भी कुछ दिन बाद निधन हो गया और दोनों की कोई संतान नहीं थी। विभागीय जांच में अन्य कोई वैध दावेदार सामने नहीं आया। ऐसे में राजस्व विभाग ने भूमि का नामांतरण कर रमेश कुमार के नाम दर्ज करने का आदेश दिया। गांव गिरजापुर की जमीन पर लंबे समय से चल रहे विवाद का पटाक्षेप हो गया है। राजस्व विभाग ने खाता संख्या 710/3, रकबा 0.08 एकड़ भूमि के मामले में आवेदक रमेश कुमार के पक्ष में अंतिम निर्णय सुनाया है। जानकारी के अनुसार,यह भूमि मूल रूप से गंगाराम के नाम दर्ज थी। गंगाराम का निधन 30 जनवरी 2023 को हुआ, जबकि उनकी पत्नी की मृत्यु 3 फरवरी 2023 को हो गई। दोनों निःसंतान थे,जिसके बाद उत्तराधिकार को लेकर विवाद खड़ा हो गया। आवेदक रमेश कुमार राजवंशी ने नामांतरण का दावा पेश किया। विभागीय जांच में गंगाराम और उनकी पत्नी की मृत्यु की पुष्टि हुई तथा अन्य कोई वैध वारिस सामने नहीं आया। प्रस्तुत दस्तावेजों, गवाहों और ग्रामणों के बयानों के आधार पर विभाग ने आवेदक का दावा सही पाया। राजस्व विभाग ने आदेश जारी करते हुए विवादित भूमि का नामांतरण आवेदक रमेश कुमार राजवंशी के नाम करने का निर्देश दिया। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि कोई और दावेदार सामने आता है तो उसे कानूनी प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। फिलहाल भूमि पर रमेश कुमार राजवंशी का वैध अधिकार माना जाएगा। भले ही यह फैसला तहसीलदार साहब ने किसी प्रभाव में दिया है पर इस फैसले पर सवाल तो कई हैं जिसके जवाब इनके ऊपर के राजस्व के उच्च अधिकारी को इनसे पूछना चाहिए।

होशो-हवास में पांच साल पहले बने हस्ताक्षरयुक्त शपथ पूर्वक वसीयत को किया दरकिनार,बाकी जमीन को भाई व बहन के नाम करने का आदेश

पटना तहसीलदार न्यायालय ने ग्राम गिरजापुर व ग्राम जमडी की ज़मीन से जुड़ा एक लंबे समय से चल रहा विवाद सुलझा दिया है पर यह विवाद सुलझने से ज्यादा तहसीलदार के फैसले पर उलझ गया है,उलझ इसलिए गया है क्योंकि तहसीलदार साहब ने जो अपने विवेक का इस्तेमाल न्यायिक फैसले में किया है वह कुछ विचित्र है,होशो हवास में शपथ युक्त बने वसीयत को संदिग्ध मान लिया और मूर्छित अवस्था में बने वसीयत को सही मान लिया,अब उनकी न्यायिक क्षमता कितनी है यह उनके फैसले पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। यह मामला स्व. गंगाराम आ0 सोधन रजवार की संपत्ति पर दावेदारी को लेकर था, जिसमें दो पक्ष–रोहित कुमार आ0 रामकृपाल और रमेश कुमार आ0 जगतराम–आमने-सामने थे। मामला कैसे शुरू हुआ? आवेदक रोहित कुमार ने आवेदन प्रस्तुत कर दावा किया कि गंगाराम आ0 सोधन ने जीवनकाल में वर्ष 2018 को एक अपंजीकृत वसीयत बनाकर उनकी जमीन उनके नाम कर दी थी। गंगाराम की मृत्यु 03 फरवरी 2023 को हुई, जिसके बाद रोहित ने नामांतरण की मांग की। इसी दौरान, आपत्तिकर्ता रमेश कुमार सामने आए और उन्होंने दावा किया कि गंगाराम ने अपनी मृत्यु से कुछ दिन पहले यानी 30 जनवरी 2023 को एक और वसीयत बनाई थी, जिसमें उन्होंने ग्राम गिरजापुर स्थित खसरा नं. 710/3 रकबा 0.080 हेक्टेयर भूमि अपने नाम कर दी थी। तहसीलदार के फैसले के अनुसार खसरा नं. 710/3 रकबा 0.080 हेक्टेयर भूमि पर आपत्तिकर्ता रमेश कुमार की वसीयत मान्य पाई गई। शेष भूमि– ग्राम जमडी स्थित भूमि खसरा नं. 583/3, 638/3 (रकबा 0.13, 0.14 हेक्टेयर) ग्राम गिरजापुर स्थित भूमि खसरा नं. 310/1, 310/3, 311/2, 709, 1113/2 (कुल रकबा लगभग 0.49 हेक्टेयर) को गंगाराम आ0 सोधन के निकट संबंधी विधिक वारिसों अनंदी राम,गंगाराम,जगतराम,रामकृपाल एवं बहन प्रमिला आ0 सोधन–के नाम दर्ज करने का आदेश दिया गया। सीधी भाषा में कहें तो–गंगाराम आ0 सोधन की संपत्ति का बंटवारा अदालत ने साफ कर दिया है। रोहित कुमार को ज़मीन नहीं मिली,रमेश कुमार को सिर्फ 0.080 हेक्टेयर का हिस्सा मिला,और बाकी पूरी ज़मीन गंगाराम के असली वैध वारिसों के नाम जाएगी। 5 साल पहले बनी वसीयत को संदिग्ध मानकर गंगाराम की बाकी जमीन को उनके भाइयों के नाम करने का फैसला तहसीलदार ने किया,न्यायिक दृष्टिकोण से किया यह बड़ा सवाल हो गया जब करना ही था तो सारी जमीनों को करना था और दोनों वसीयतों को संदिग्ध मानना था पर ऐसे वसीयत को सही माना जो वाकई में संदिग्ध था और जो वसीयत सही था उसे संदिग्ध मानना ही तहसीलदार के लिए उसकी न्यायिक फैसले में किसी प्रभाव की गंध से भर दिया।

एक्ट्रेस श्रेनु पारिख का टीवी पर कमबैक

'गणेश कार्तिकेय' में निभाएंगी मां पार्वती का किरदार,कहा...इसे ह्यूमन टच देना चाहा

टीवी शो 'घर एक मंदिर' से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वालीं श्रेनु पारिख जल्द ही सोनी सब के नए पौराणिक शो 'गणेश कार्तिकेय' में माता पार्वती की भूमिका निभा रही हैं। यह शो आज प्रसारित होगा।

शादी के बाद आपने ब्रेक लिया था, फिर इस शो से कब और कैसे जुड़ीं?

मैं शादी के बाद ब्रेक पर थी। करीब डेढ़-दो साल हुए थे और तभी सोचा कि अब काम शुरू करना चाहिए। तभी मुझे इस शो से कॉल आया। पहले भी कॉल आया था लेकिन लगा शायद कास्टिंग हो चुकी होगी। इस बार ऑडिशन दिया और बिना ज्यादा रिसर्च किए तुरंत सेलेक्ट हो गई। उसके बाद टीम के साथ कई वर्कशॉप हुए। मुझे साफ कहा गया कि पहले से बनी पार्वती मां की इमेज न देखें, बस अपने अंदाज में निभाएं। मैंने उसमें एक ह्यूमन टच देने की कोशिश की है ताकि दर्शकों को देवी के साथ-साथ मां का रूप भी दिखे।

जब आपने गेटअप लिया तो सेट पर माहौल कैसा रहा?

बहुत बार ऐसा हुआ कि सब लोग मुझे देखकर चुप हो गए,जैसे कोई दिव्य आभा महसूस कर रहे हों। एक बार जब मैं काली मां बनी थी तो पूरा सेट सन्न रह गया था। मेरा डॉगी, जो हमेशा मेरे पास रहता है, मुझे पहचान ही नहीं पाया। गेटअप का असर इतना गहरा था कि वो भावनात्मक रूप से थका देने वाला भी हो जाता था। खासकर गणेश जी का सिर कटने वाला सीक्वेंस वो मेरे लिए बहुत इमोशनल था।

शो में दर्शक आपको किन-किन रूपों में देखेंगे?

पार्वती मां के बहुत सारे रूप हैं। पहले 10 एपिसोड्स में ही आप मेरी 10 महाविद्याएं देखेंगे। काली का पूरा सीक्वेंस है, जहां वो भयानक युद्ध करती हैं। ये सब रूप एकदम अलग-अलग अनुभव देंगे।

आपने किरदार के लिए कोई अलग तैयारी या रिसर्च की?

नहीं,क्योंकि भगवानों पर बनी कहानियों को बदला नहीं जा सकता। इनसे लोगों की भावनाएं जुड़ी होती हैं। बस हमने कहानी को नए अंदाज,टेक्नोलॉजी और नए कलाकारों के साथ प्रस्तुत किया है। मेकर्स ने और राइटर्स की टीम ने जो मटेरियल दिया उसी के आधार पर इसे प्ले कर रही हूं।

देवी का किरदार निभाने में सबसे बड़ी चुनौती क्या रही?

सबसे कठिन यह रहा कि हर वक्त एक दिव्य आभा के साथ रहना पड़े। कॉस्ट्यूम और ज्वेलरी बहुत भारी होते हैं। साथ ही शुद्ध हिंदी बोलना और हर समय 'देवी' लगना आसान नहीं है लेकिन अब धीरे-धीरे आत्मविश्वास बढ़ गया है और मैं पार्वती मां को समझने लगी हूं।

टीवी, फिल्म और वेब के बीच आप खुद को कहां देखती हैं?

कोविड के बाद मीडिया की दीवारें थोड़ी टूट गई हैं। अब टीवी के कलाकार फिल्में और वेब सीरीज़ कर सकते हैं। मेरे लिए टीवी हमेशा दिल के करीब रहेगा,क्योंकि यहीं से शुरुआत हुई। मैं फिल्मों और बाकी प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हूं, लेकिन टीवी मेरा घर है।

अक्षय महात्रे के साथ आपकी जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई थी। क्या दोबारा साथ काम करने की उम्मीद है?

बिल्कुल। अक्षय और मैं भी यही सोचते हैं कि फिर कभी साथ काम करना चाहिए। अगर भगवान ने चाहा तो जरूर होगा।

कांतारा चैप्टर 1 की बॉक्स ऑफिस पर धूम,महज 3 दिन में कर दिखाया ये कारनामा

ऋषभ शेट्टी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर गदर काट दिया है। एक ओर जहां फिल्म की कहानी और वीएफएक्स दर्शकों को लुभा रहे हैं,वहीं ऋषभ ने अपने धांसू अभिनय से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। पहले दिन और दूसरे दिन शानदार कमाई करने के बाद अब फिल्म के तीसरे दिन के बॉक्स ऑफिस आंकड़े भी सामने आ गए हैं।

125 करोड़ बजट और 3 दिन में कमाई 160 करोड़ के पार

सैकनिल्क के मुताबिक,फिल्म ने तीसरे दिन 55 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसी के साथ इसने 150 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर ली है और भारत में ये फिल्म अब तक कुल 162.85 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। कांतारा चैप्टर 1 ने पहले दिन 61.85 करोड़ रुपये तो दूसरे दिन 46 करोड़ रुपये कमाए थे। 125 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म तीसरे ही दिन अपनी लागत निकालकर मुनाफे की ओर बढ़ चुकी है।

कांतारा का प्रीक्वल है कांतारा चैप्टर 1

फिल्म की बात करें तो ये 2022 में आई कांतारा का प्रीक्वल है। कांतारा ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर हिट थी। 15 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 400 करोड़ रुपसे कमाकर इतिहास रच दिया था। इस फिल्म के प्रीक्वल निर्देशक, सह-निर्माता और हीरो भी ऋषभ ही हैं। कांतारा चैप्टर 1 पर दर्शक दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं,जिसका असर फिल्म की कमाई पर भी दिख रहा है।

तीसरे भाग का भी हो चुका ऐलान

फिल्म की कहानी कर्नाटक के काल्पनिक गांव कांतारा और उसके आसपास के जंगलों पर घूमती है। बता दें कि कांतारा- चैप्टर 1 कन्नड़,हिंदी,तेलुगू,तमिल,मलयालम,बंगाली और अंग्रेजी 7 भाषाओं में उपलब्ध है,जो दर्शकों को एक रहस्यमय और सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है। गुलशन देवैया और रुक्मिणी वसंत भी इसका हिस्सा हैं। इसकी रिलीज के साथ ही फिल्म के तीसरे भाग का भी ऐलान हो गया है। तीसरी किस्त कांतारा चैप्टर 2 नाम से रिलीज होगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का हाल जानिए

बीते 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में कांतारा चैप्टर 1 के साथ-साथ वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिलम सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी रिलीज हुई थी। इसने पहले दिन 9.25 करोड़ तो दूसरे दिन 5.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया और तीसरे दिन यानी पहले शनिवार फिल्म ने करीब 7.25 करोड़ रुपये कमाए। इसकी कुल कमाई 22 करोड़ रुपये हो पाई है। शशांक खैतान इस फिल्म के निर्देशक तो करण जौहर निर्माता हैं।

बिग बॉस 19 में दीपक चाहर की धमाकेदार एंट्री घरवालों का सिस्टम हिलाने आए एल्विश यादव

बिग बॉस 19 दर्शकों को खूब आकर्षित कर रहा है। इस वीकेंड के वार के पहले दिन जहां सलमान खान ने कुनिका सदानंद को जमकर लताड़ा, वहीं अमाल मलिक की भी खूब क्लास लगी। उधर मृदुल तिवारी तो सलमान की डांट सुनकर फफक कर रो ही पड़े।

मालती चाहर का समर्थन करने शो में पहुंचे दीपक

बिग बॉस 19 का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें सलमान स्टेज पर दीपिक संग क्रिकेट खेलते दिख रहे हैं। सलमान ने खास अंदाज में दीपक का शो में स्वागत किया। दरअसल, दीपक की बहन मालती चाहर वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में शो से जुड़ी हैं। बहन का समर्थन करते खुद दीपक बिग बॉस के मंच तक पहुंचे हैं। उधर एल्विश की भी एंट्री हुई है, जिन्हें सलमान घरवालों का सिस्टम हैंग करने के लिए कह रहे हैं।

मेरा मुश्किल दौर स्कैम 2003 से मिली शोहरत के बाद शुरू हुआ : गगन देव रियार

सिनेमा इंडस्ट्री में आम तौर पर सफलता और शोहरत को मुश्किलों और संघर्ष अंत माना जाता है, पर एक्टर गगन देव रियार का अनुभव बिल्कुल अलग है। हंसल मेहता की चर्चित वेब सीरीज स्कैम 2003 में पेपर घोटाले के मास्टरमाइंड अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका से सुर्खियों में आने वाले एक्टर गगन देव रियार के मुताबिक, उनका सबसे मुश्किल दौर इस सीरीज से मिली सफलता और शोहरत के बाद शुरू हुआ है।

जितना सफल होता हूं,उतना कंफ्यूज होता हूं : करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में पूछने पर गगन कहते हैं,मेरा सबसे मुश्किल दौर इस वक्त चल रहा है,क्योंकि सफलता को लेकर लोगों का जो नजरिया होता है,जैसे लोग बोलते हैं कि आपने वो हासिल कर लिया, वहां पहुंच गए,तो मुझे समझ में नहीं आता है कि इसके बाद कहां जाना है। ये मेरी पर्सनल जद्दोजहद है। मैं जितना सफल होता जाता हूं, उतना ही कंफ्यूज होता जाता हूं कि आज मेरे पास वो सब है जो मुझे चाहिए था, जिसकी मैंने कल्पना की थी कि घर हो, काम हो, पैसा हो लेकिन वो मकसद कहीं खत्म हो गया है कि मुझे ये करना क्यों था। यह ऊहापोह स्कैम 2003 के बाद शुरू हुई है कि इस सफलता के बाद क्या? आप यहां से कहां जाएंगे?

बहरूपिया बनने में मजा आने लगा : महज 16 साल में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले गगन बताते हैं कि असल में एक्टर बनना उनके पापा का सपना था,जो उन्होंने पूरा किया। बकौल गगन,मैं 16 साल का था। मैंने दसवीं का एग्जाम पास किया था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं कि एक दिन पापा ने पूछा, एक्टर बनना चाहते हो? असल में पापा फिल्मों में हीरो बनना चाहते थे। वो बचपन में भागकर यहां आए थे,तो फिल्में हम बहुत देखते थे। शाहरुख खान,जैकी श्रॉफ मुझे भी बहुत पसंद थे, पापा के पूछने पर मैंने कहा-ठीक है। तब उन्होंने मुझे दो महीने का एक एक्टिंग का क्रैश कोर्स कराया,जिसमें मुझे बहुत मजा आया। लगा कि यह मैं जिंदगी भर कर सकता हूं क्योंकि रोज कुछ नया करने को मिल रहा है। मैं हर रोज एक नया बंदा हूं। वो अलग-अलग रूप धरने में, बहरूपिया बनने में मुझे इतना मजा आने लग गया कि उस कोर्स में 20 बच्चे थे,जिसमें मैं सबसे छोटा था,मगर क्लास में फर्स्ट आया।

जादू की छड़ी जैसी है एक्टिंग : इन दिनों अपनी नई सीरीज 13 वीं: सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा बटोर रहे गगन आगे बताते हैं,फिर कॉलेज में जब मैं थिएटर से जुड़ा तो लगा कि एक्टिंग और थिएटर तो एक ही चीज है। मुझे उसमें इतना मजा आने लगा कि मैंने तय कर लिया कि यही करना है। हालांकि,मैं पढ़ाई में होशियार था। चाहता तो बहुत कुछ बन सकता था,मगर एक रूहानी अनुभव जो एक्टिंग में होता है कि आपने कुछ किया,जिससे किसी और को कुछ हुआ। मतलब मैं जो करूंगा,उससे कोई दूसरा हंसता है या रोता है। मुझे ऐसा लगा कि मेरे हाथ में कोई जादू की छड़ी है। मुझे हैपी पॉटर जैसा महसूस हुआ और मैं वो जादूगर बनना चाहता था। बस एक्टिंग का सिलसिला चल पड़ा।

रश्मिका ने बताई 'द गर्लफ्रेंड' की रिलीज तारीख नए टीजर के साथ किया धमाकेदार ऐलान

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को पिछली बार सलमान खान के साथ फिल्म सिकंदर में देखा गया था। हालांकि, उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई। आने वाले दिनों में अभिनेत्री एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। उन्हीं में से एक है द गर्लफ्रेंड, जिसकी रिलीज की राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देख रहे थे। अब आखिरकार रश्मिका ने अपनी इस फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है।

5 भाषाओं में आएगी फिल्म : रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर रिलीज तारीख के साथ फिल्म का नया टीजर प्रशंसकों के साथ साझा किया है। उन्होंने ये भी बता दिया कि द गर्लफ्रेंड 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये फिल्म तेलुगू, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर साझा करते हुए रश्मिका ने लिखा, मुझे पता है आप लोग इसका इंतजार कर रहे थे और ये आ गया। द गर्लफ्रेंड 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

थामा को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं रश्मिका : द गर्लफ्रेंड में रश्मिका के साथ अभिनेता दीक्षित शेट्टी नजर आएंगे। पिछले साल उनकी इस फिल्म का जो टीजर आया था, उसमें विजय देवरकोंडा की आवाज सुनने को मिली थी, जिनके साथ रश्मिका की सगाई की खबरें आ रही हैं। हालांकि, दोनों ने अभी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।

खेल समाचार

विदर्भ ने तीसरी बार जीता ईरानी कप का खिताब

रेस्ट ऑफ इंडिया को 93 रनों से दी मात

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। विदर्भ ने रेस्ट ऑफ इंडिया को 93 रन से शिकस्त देकर तीसरी बार ईरानी कप खिताब अपने नाम कर लिया है। इससे पहले विदर्भ ने 2017-18 और 2018-19 में ट्रॉफी अपने नाम की थी। विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए विदर्भ ने अपनी पहली पारी में 342 रन बनाए।

इस टीम के लिए अथर्व तायडे ने सर्वाधिक 143 रन बनाए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 15 चौके शामिल रहे। वहीं, यश राठौड़ ने 153 गेंदों में 91 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम से आकाश दीप और मानव सुथार को 3-3 सफलताएं हाथ लगीं, जबकि सारांश जैन ने 2 विकेट हासिल किए। इसके जवाब में रेस्ट ऑफ इंडिया अपनी पहली पारी में सिर्फ 214 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए कप्तान रजत पाटीदार ने सर्वाधिक 66 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने 52 रन की पारी खेली। विदर्भ की ओर से यश ठाकुर ने 4 विकेट चटकाए,जबकि हर्ष दुबे और पार्थ रेखाडे को 2-2 सफलताएं मिलीं। विदर्भ के पास पहली पारी के आधार पर 128 रन की बढ़त थी।

इस टीम ने अपनी दूसरी पारी में 232 रन बनाते हुए रेस्ट ऑफ इंडिया को जीत के लिए 361 रन का टारगेट दिया। विदर्भ की दूसरी पारी कप्तान आकाश वाडेकर ने सर्वाधिक 36 रन बनाए, जबकि दर्शन नालकंडे ने 35 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से अंशुल कंबोज को सर्वाधिक 4 विकेट हाथ लगे, जबकि सारांश जैन, मानव सुथार और गुरनूर बरार ने 2-2 सफलताएं प्राप्त कीं। 361 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम को महज 16 के स्कोर पर आर्यन जुयाल (6) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद टीम ने 133 रन तक अपने 6 विकेट गंवा दिए थे। यहां से यश ढुल ने मानव सुथार के साथ पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 104 रन जुटाए। ढुल ने 92 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि मानव सुथार ने नाबाद 56 रन जुटाए, लेकिन टीम को 267 रन से आगे लेकर नहीं जा सके। विदर्भ की तरफ से इस पारी में हर्ष दुबे ने 4 विकेट हासिल किए, जबकि आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को 2-2 सफलताएं प्राप्त हुईं।

मनसुख मांडविया ने फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 43 वें संस्करण का नेतृत्व किया

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में विश्व शिक्षक दिवस पर फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 43वें संस्करण का नेतृत्व किया। यह कार्यक्रम देश भर में 10,000 से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। दिल्ली भर से शिक्षकों, एथलीट्स, फिटनेस इन्फ्लुएंसर और युवाओं सहित 1,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। भारतीय हॉकी खिलाड़ी अभिषेक नैन, शतरंज की दिग्गज खिलाड़ी तानिया सचदेव, उभरते हुए भाला फेंक स्टार सचिन यादव और भारत के पुशअप मैन कहे जाने वाले रोहताश चौधरी भी शामिल थे। डॉ. मांडविया ने इस पहल को एक सच्चा राष्ट्रव्यापी आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से लाखों नागरिक हर रविवार को खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हर नागरिक शारीरिक गतिविधि के लिए एक घंटा भी समर्पित करे,तो भारत विकसित भारत के सपने की ओर और भी मजबूत,स्वस्थ और एकजुट होकर आगे बढ़ेगा। आज इस कार्यक्रम में कई शिक्षकों ने भाग लिया और छात्रों को जीवन में संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया। खेल मंत्री ने कहा कि साइकिल के पैडल हमें जीवन का सबसे बड़ा सबक सिखाते हैं कि हम तभी आगे बढ़ते हैं जब हम संतुलन बनाए रखते हैं। यह संतुलन जीवन का आधार है और यह फिटनेस से आता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा भारतीय साइकिलिंग महासंघ, योगासन भारत और माय भारत के सहयोग से आयोजित साइकिलिंग अभियान ने अब भारत के सबसे प्रभावशाली फिटनेस अभियानों में से एक के रूप में अपनी पहचान बना ली है। इस कार्यक्रम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के आधिकारिक एंथम का भी शुभारंभ हुआ। पुशअप मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध रोहताश चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री मांडविया को बताया कि वह पीठ पर 60 पाउंड का बैग लेकर एक घंटे में सबसे अधिक पुश-अप करने का एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जो 2 नवंबर को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। भारतीय हॉकी टीम के साथ पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले और राजगीर में एशिया कप जीतने वाले अभिषेक नैन ने नई दिल्ली में इस पहल के बारे में भावुक होकर कहा कि एथलीटों के रूप में, फिटनेस हमारा आधार है। मैं यहां सिर्फ लोगों को साइकिल चलाते हुए नहीं देख रहा हूं, बल्कि भारत में स्वास्थ्य की संस्कृति को अपनाते हुए भी देख रहा हूं।

महाकाल के दरबार पहुंचे शिखर धवन, भगवा वस्त्र पहन भस्म आरती में हुए शामिल

नई दिल्ली,05 अक्टूबर 2025। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन रविवार को महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे। वह सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती में शामिल हुए। भगवा वस्त्र पहने धवन भक्ति में लीन नजर आए। धवन दूसरी बार बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस दौरान तिलक लगाए धवन कभी ताली, तो कभी श्री महाकाल का उद्घोष करते नजर आए। शिखर धवन ने नंदी हॉल से बाबा महाकाल की दिव्य आरती के दर्शन किए, जिसके बाद बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना भी की। मंदिर समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष कलवाडिया ने शिखर धवन का सम्मान किया। उज्जैन का श्री महाकालेश्वर मंदिर भारत के 12 प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर की महिमा का वर्णन विभिन्न पुराणों में है। यहां की भस्म आरती का साक्षी बनने भक्त दूर-दूर से उज्जैन पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने खनिज ऑनलाइन 2.0,डीएमएफ पोर्टल और रेत खदानों की नीलामी के लिए रिवर्स ऑक्शन पोर्टल का किया शुभारंभ

वैज्ञानिक पद्धति और नवाचारी खनन के माध्यम से विकास और पारदर्शिता की नई कहानी लिख रहा है छत्तीसगढ़:मुख्यमंत्री साय

रायपुर,05 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यहां लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट, सोना, हीरा और कॉपर जैसे बहुमूल्य खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। हाल की खोजों से राज्य क्रिटिकल और दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में और सशक्त हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आईएसएम धनबाद और छत्तीसगढ़ भौमिकी एवं खनन संचालनालय, तथा कोल इंडिया और छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के मध्य महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षरित हुए। साथ ही 5 माइनिंग ब्लॉकों की एनआईटी जारी की गई और 9 खदानों को प्रिफर्ड बिडर आदेश प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री साय ने खनिज ऑनलाइन 2.0,डीएमएफ पोर्टल तथा रेत खदानों की ऑनलाइन नीलामी के लिए रिवर्स ऑक्शन पोर्टल का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खनिजों का विवेकपूर्ण उपयोग और उद्योगों का संतुलित विकास देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। छत्तीसगढ़ में खनन और नए उद्योगों की अपार संभावनाओं को देखते हुए पारदर्शी खनन नीति, ई-नीलामी और डिजिटल निगरानी की व्यवस्था ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष डीएमएफ से 1,673 करोड़ रुपये का अंशदान प्राप्त हुआ, जिससे 9,362 विकास कार्य स्वीकृत किए गए। वर्ष 2024-25 में राज्य को 14,195 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जिसने लिथियम ब्लॉक की नीलामी की है। अब तक 60 खनिज ब्लॉकों की नीलामी पूरी हो चुकी है और पाँच नए ब्लॉकों की निविदा आज जारी की गई है। यह पारदर्शी प्रक्रिया राज्य के आर्थिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत जिला खनिज न्यास नियम-2025 लागू किए गए हैं। डीएमएफ पोर्टल 2.0 से निगरानी और प्रबंधन की प्रक्रिया को सशक्त किया गया है, जिसके लिए भारत सरकार ने छत्तीसगढ़ को सम्मानित भी किया है। उन्होंने कहा कि नई रेत नीति-2025 से पारदर्शिता बढ़ी है और जल्द ही 200 से अधिक रेत खदानों की ई-नीलामी की जाएगी। सतत खनन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज क्रिटिकल मिनरल्स के लिए माइनिंग कॉर्पोरेशन और कोल इंडिया लिमिटेड के मध्य एमओयू हुआ है। वहीं क्लीन एनर्जी के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने हेतु आईआईटी रुड़की और आईएसएम धनबाद के साथ भी एमओयू साइन किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक और सतत् खनन के माध्यम से छत्तीसगढ़ विकास और पारदर्शिता की नई कहानी लिख रहा है। छत्तीसगढ़ निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार माइनिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय और नवाचारी कार्य कर रही है। खनन से राजस्व और रोजगार दोनों बढ़े हैं तथा सरकार युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर कुशल मानव संसाधन तैयार कर रही है। राज्य में अब टिन से निकलने वाले स्लज से दो नए तत्वों का उत्पादन शुरू हुआ है। साथ ही क्रिटिकल ओअर रिसाइक्लिंग और ई-वेस्ट मैनेजमेंट पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 28 प्रकार के खनिजों का खनन होता है, जिनमें टिन, बॉक्साइट, कोयला, लाइमस्टोन और आयरन ओर प्रमुख हैं। मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि नौ वर्ष बाद माइनिंग कॉन्क्लेव का पुनः आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्टेकहोल्डर्स के सुझावों को नीति निर्माण में शामिल करना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

खनिज क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्य सचिव ने पारदर्शिता, तकनीकी उपयोग,जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा और ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग को भविष्य की आवश्यकता बताया। उन्होंने राज्य की नई उद्योग नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में रोजगार सृजित होंगे।

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की गाइडलाइन और डीएमएफ पोर्टल 2.0 का विमोचन

छत्तीसगढ़ माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 में मुख्यमंत्री साय ने खनिज न्यास निधि का प्रभावित क्षेत्रों में उपयोग, कुशल प्रबंधन, पारदर्शिता, सुशासन, प्रभावी संचालन एवं निगरानी को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से डीएमएफ पोर्टल 2.0 का विमोचन किया। इस पोर्टल में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना की गाइडलाइनों के अनुरूप और छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 (संशोधित 2025) में किए गए संशोधनों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने खनिज ऑनलाइन पोर्टल 2.0 का किया शुभारंभ

खनिज विभाग ने खनिज ऑनलाइन पोर्टल 1.0 का उन्नयन कर 2.0 संस्करण तैयार किया, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री साय ने किया। यह पोर्टल खनन प्रबंधन यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह केवल तकनीकी उन्नयन नहीं, बल्कि राज्य की पारदर्शिता, जिम्मेदारी और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। खनिज ऑनलाइन 2.0 छत्तीसगढ़ के खनन प्रबंधन को देश भर में एक मॉडल सिस्टम के रूप में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने गौण खनिज खदानों को दिए स्टार अवॉर्ड

मुख्य खनिजों की तर्ज पर राज्य में गौण खनिज खदानों में भी स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत समुचित एवं वैज्ञानिक पद्धति से खनन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पर्यावरण प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और सुरक्षा मानकों का पालन कर बेहतर कार्य करने वाली 43 खदानों को स्टार अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री साय ने खदान संचालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।इनमें 3 खदानों को 5 स्टार, 32 खदानों को 4 स्टार और 8 खदानों को 3 स्टार अवॉर्ड दिए गए।

'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप विवाद:बच्चों की मौत से दहशत,छत्तीसगढ़ में भी प्रतिबंध

रायपुर,05 अक्टूबर 2025। कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण देशभर में चिंता की लहर दौड़ गई है। राजस्थान और मध्य प्रदेश में इस सिरप के सेवन से कम से कम 11 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कुछ रिपोर्टों में संख्या 12 तक बताई जा रही है। मध्य प्रदेश और तमिलनाडु सरकारों ने इस दवा पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नमूनों की जांच कराई है, जिसमें विषाक्त पदार्थ डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की अत्यधिक मात्रा पाई गई। इस सिरप का निर्माण तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित श्रीसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी करती है। तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, बैच नंबर स्क्र13 के नमूने में 48.6 प्रतिशत छ्रश्वत मिला, जो किडनी फेलियर और मौत का कारण बन सकता है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में अधिकांश मौतें दर्ज की गई,जहां बच्चों को कफ की दवा के रूप में यह सिरप दिया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने छह राज्यों में 19 दवा इकाइयों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि श्रीसन फार्मा की किसी भी दवा की राज्य में आपूर्ति नहीं है। फिर भी, भ्रम और अफवाहों को रोकने के लिए कोल्ड्रिफ सिरप पर यहां भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। विभाग बाजारों पर कड़ी निगरानी रख रहा है और दवा विक्रेताओं को कंपनी के सभी उत्पादों की बिक्री तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय दवा व्यापारी अश्वनी विग ने पुष्टि कि, छत्तीसगढ़ में कोल्ड्रिफ की कोई सप्लाई चेन या गोदाम नहीं है। इसके बावजूद, मध्य प्रदेश व राजस्थान की घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर सिरप की तस्वीरें वायरल होने से राज्य में दहशत फैल गई। लोग दवा खरीदने से पहले जांच करने लगे हैं।

बिहार चुनाव में कांग्रेस ने झोंकी ताकत

भूपेश और गहलोत बने सीनियर ऑब्जर्वर

रायपुर,05 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 नजदीक आते ही राजनीतिक दलों की तैयारी तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीनियर ऑब्जर्वर की लिस्ट जारी की है। इसके मुताबिक,छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल,राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस के सीनियर लीडर अधीर रंजन चौधरी को सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। बता दें कि भूपेश बघेल इसके पहले हिमाचल प्रदेश, झारखंड, असम,उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र चुनाव के ऑब्जर्वर रह चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में रायबरेली सीट पर जब राहुल गांधी प्रत्याशी थे,तब भी बघेल को ही उस सीट पर ऑब्जर्वर बनाया गया था। फिलहाल,वे कांग्रेस महासचिव के रूप में पंजाब के प्रदेश प्रभारी भी हैं।

इन नेताओं को भी मिली चुनाव में जिम्मेदारी : इनके अलावा जिला चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में शुभंकर सरकार,सतीश बंटी पाटील,ईशा खान चौधरी,तनुज पुनिया, प्रदीप जैन आदित्य,अनिल चौधरी,अभिषेक दत्त, रामकृष्ण ओझा,सत्यनारायण पटेल, चेतन चौहान,बीवी श्रीनिवास,विक्रांत भूरिया, पोंगलिटी श्रीनिवास रेड्डी,राधाकृष्ण किशोर, इरफान अंसारी और दीपिका पांडे सिंह का नाम शामिल हैं। कांग्रेस ने राणा गुरजीत, अशोक चांदना,विश्वजीत कदम,रामलाल जाट, जयसिंह अग्रवाल,रफीक खान,दिनेश गुर्जर, अभिमन्यु पूनिया,हीना कव्वाली,वीरेंद्र राठौर, संजय कपूर,रोहित चौधरी,अमित सिहाग, विपिन वानखेड़े,नीरज दीक्षित,प्रवीण पाठक, करण सिंह उचियारा और अनिल चोपड़ा को भी जिला चुनाव पर्यवेक्षक बनाया गया है।

जल्द होगी तारीखों की घोषणा

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान जल्द होने वाला है। उससे पहले कांग्रेस ने जो नियुक्तियां की हैं, उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और विपक्षी खेमे में बेचैनी के रूप में देखा जा रहा है। अब सबकी निगाहें इस बात पर होंगी कि गहलोत और उनकी टीम चुनावी रणनीति को किस दिशा में मोड़ते हैं।

हिन्दुओं को गुलामी की आदत बार-बार जगाना पड़ता है : धीरेंद्र शास्त्री

रायपुर,05 अक्टूबर 2025। रायपुर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा चल रही है। वो दो दिन अपना दिव्य दरबार भी लगाएंगे। रविवार को प्रेसवार्ता में पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बताया कि, वो जल्द ही छत्तीसगढ़ में पदयात्रा करेंगे। जशपुर में कथा करने की इच्छा भी उन्होंने जताई। उन्होंने कहा कि, वो 17 नवंबर को दिल्ली से वृंदावन की पदयात्रा पर निकलेंगे। पदयात्रा और हिन्दू जागरण पर उन्होंने कहा कि, हिन्दुओं को गुलामी की आदत लग चुकी है। बार-बार जगाना पड़ता है। अपनी आठ देशों की यात्रा के अनुभव भी साझा किए। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि, विदेशों में किसी सब्जेक्ट पर स्टडी की गई हो, तभी मान्यता मिलती है। इसलिए जल्द ही पैरा नॉर्मल शक्तियों पर कैम्ब्रिज में जाकर पढ़ाई करेंगे। इसके बाद विदेशों में दरबार लगाएंगे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने छत्तीसगढ़ सरकार से इस दौरान गायों की सुरक्षा के लिए गौ अभ्यारण बनाने की मांग भी की। धर्मांतरण पर कहा कि कोई अपनी इच्छा से करे तो कोई बात नहीं, इसमें हम कुछ नहीं कर सकते। लेकिन लालच देकर, जबरदस्ती धर्म परिवर्तन कराने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। मुझे खुशी है कि छत्तीसगढ़ सरकार जल्द इस पर कानून लाने जा रही है।

रायपुर में 17 साल के नाबालिग की डूबने से मौत,तालाब में नहाने उतरा था

रायपुर,05 अक्टूबर 2025। रायपुर में 17 साल के नाबालिग की डूबने से मौत हो गई है। नाबालिग तालाब में नहाने उतरा था। इस दौरान उसे गहराई का अंदाजा नहीं हुआ। आसपास के लोगों ने राखी पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने स्छ्रक्रन की मदद से 2 घंटे तलाशी अभियान चलाकर लाश को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। यह पूरा मामला राखी थाना क्षेत्र का है। टिकेश्वर ध्रुव नाम का युवक रविवार को नहाने गया था। वह नहाने के लिए तालाब में उतरा। इस बीच वह गहराई में चला गया और डूबने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की बॉडी तलाश की लेकिन वह नहीं मिली। जिसके बाद एसडीआरएफ ने सर्चिंग ऑपरेशन चलाकर करीब 2 घंटे बाद लाश को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

मधुमक्खियों के हमले से 2 की मौत,5 घायल

खेत में नाश्ता करते वक्त मधुमक्खियों ने किया अटैक,4 महिलाएं

राजनांदगांव,05 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में खेत में काम करने के दौरान मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई, जबकि 4 महिलाएं और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मामला चिखली पुलिस चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम शिव यदु और सुशीला देवांगन है। दोनों बजरंगपुर नवागांव वार्ड के रहने वाले थे। वहीं माया डोंगरे, सुमित्रा साहू, सुनीता यादव, पार्वती साहू और शिव यदु के बेटे का इलाज जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

कैसे हुआ मधुमक्खियों का अटैक : बजरंगपुर की 5 महिलाएं और 2 पुरुष गांव के जिंदल साहू के खेत में काम करने गए थे। इस दौरान करीब 9 बजे महिलाएं टिफिन निकालकर नाश्ता करने लगीं, तभी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस दौरान 5 महिलाएं और 2 पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। मधुमक्खियों के हमले के बाद महिलाएं खेत में ही अपना सामान छोड़कर भाग गई थी।

खेत में सुनीता यादव के रखे सामान को लेने शिव यदु अपने छोटे बेटे को लेने गया था। इस दौरान मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए वह अपने साथ कंबल भी ले गया था। इसके बाद भी शिव यदु और उसका बेटा मधुमक्खियों के हमले के चपेट में आ गए। बेटे को मधुमक्खियों के हमले से बचाने के लिए शिव ने अपना कंबल उसे ओढ़ा दिया। इस दौरान मधुमक्खियों ने शिव यदु को भी डंक मारकर घायल कर दिया।

शिव यदु और सुशीला देवांगन की मौत : वहीं नवागांव वार्ड पार्षद राजा तिवारी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने शिव यदु और सुशीला देवांगन को मृत घोषित कर दिया, जबकि माया डोंगरे, सुमित्रा साहू, सुनीता यादव, पार्वती साहू और शिव यदु के बेटे का इलाज जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में जारी है। उनकी हालत भी बेहतर है।

चीन में बैठे ठगों से लिंक,रायपुर पुलिस ने 4 सहयोगी फ्रॉड को पकड़ा

रायपुर,05 अक्टूबर 2025। ऑपरेशन साइबर शील्ड के अंतर्गत कार्यवाही की गई है, निर्देशानुसार साइबर क्राईम पोर्टल में रिपोर्टेड म्यूल बैंक अकाउंट के विरुद्ध थाना डी डी नगर में HDFC बैंक में खुले 79 म्यूल बैंक अकाउंट पर अपराध क्रमांक 424/25 एवं थाना आजाद चौक में साउथ इंडियन बैंक में खुले 17 म्यूल बैंक अकाउंट पर 283/25 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111, 3(5) भारतीय न्याय संहिता पंजीबद्ध कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर द्वारा की जा रही है। विवेचना कार्यवाही में साइबर क्राईम पोर्टल की रिपोर्ट, बैंक खाता में हुए ट्रांजैक्शन, एक ही व्यक्ति के अधिक बैंक अकाउंट एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य के आधार पर www.erishtaa.comwww.jeevanjodi.comwww.royalrishtey.com मैट्रिमोनियल साइट बनाकर लोगों को वर वधू का फर्जी फोटो दिखाकर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले लोगों को चिन्हांकित कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही के दौरान गोल चौक डगनिया में जीवन जोड़ी, रॉयल रिश्ते के नाम से बनाए गए।

पुजारी से विवाद होने पर शिवलिंग की चोरी,उपद्रवी युवक सीसीटीवी में कैद

धमतरी,05 अक्टूबर 2025। जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक युवक ने मंदिर में मौजूद शिवलिंग पर न सिर्फ तोड़फोड़ की बल्कि उसे गर्भगृह से उखाड़कर अपने साथ ले गया। घटना का पूरा वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, जिसके बाद पूरे गांव में आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार,घटना अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम तेलीन सत्ती स्थित शीतला मंदिर में यह सनसनीखेज वारदात हुई। बताया जा रहा है कि मंदिर के पुजारी और गांव के ही एक युवक के बीच कुछ दिनों पहले विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते युवक ने देर रात मंदिर में पहुंचकर पहले शिवलिंग पर प्रहार किया और फिर उसे गर्भगृह से उखाड़कर अपने साथ ले गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है लोगों का कहना है कि यह शिवलिंग वर्षों पुराना था और पूरे गांव की आस्था इससे जुड़ी हुई थी।

ट्रक ने बोलेरो को मारी टक्कर...5 की मौत

इनमें कोलकाता की 3 महिला टीचर भी,5 की हालत नाजुक,बालाघाट से बिलासपुर जा रहे थे...

कबीरधाम,05 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में रॉन्ग साइड से आ रहे एक ट्रक ने बोलेरो को टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई,जिनमें 3 महिला टीचर, एक नाबालिग लड़की और ड्राइवर शामिल हैं। वहीं 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा चिल्फी थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के अनुसार, ड्राइवर को छोड़कर सभी मृतक कोलकाता के रहने वाले थे। वे मध्य प्रदेश के बालाघाट स्थित कान्हा नेशनल पार्क से बिलासपुर जा रहे थे। उन्हें आज रात बिलासपुर से ट्रेन पकड़नी थी, लेकिन पहुंचने से पहले ही नेशनल हाईवे 30 पर चिल्फी घाटी के अकालघरिया मोड़ पर एक्सीडेंट हो गया। बताया जा रहा है कि घायलों को बोड़ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर हालत में 5 लोगों को कवर्धा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। 5 में से 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद बोलेरो चकनाचूर हो गई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)